RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com शनिवार , 04 जुलाई 2026 | वर्षः 04, अंकः 104 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः दोषियों को कड़ी सजा मिलेः संघ

अयोध्या में श्री राम लला मंदिर में रखे दान-पात्रों से चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे समाज और राम भक्तों की भावनाओं और श्रद्धा को आहत किया हैः संघ

नई दिल्ली/एजेंसी

अयोध्या में श्री राम लला मंदिर में रखे दान-पात्रों से चोरी के मुद्दे पर आरएसएस का पहला बयान आया है। संगठन के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा है कि जांच में जो कोई भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी सजा मिले। होसबोले ने कहा, अयोध्या में श्री राम लला मंदिर में रखे दान-पात्रों से चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे समाज और राम भक्तों की भावनाओं और श्रद्धा को आहत किया है, और हम सभी इस घटना से दुखी हैं।

'दोषियों को मिले कड़ी सजा'

उन्होंने आगे कहा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के विशेष अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है और उसकी सिफारिशों के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी सजा मिले।

इसके साथ ही उन्होंने अपील करते हुए कहा, ट्रस्ट स्वाभाविक रूप से आरएसएस और पूरे हिंदू समाज की ओर से यह उम्मीद करता है कि इस बेहद निंदनीय घटना को एक अपवाद माना जाए और व्यवस्था व कामकाज में मौजूद सभी कमियों को दूर करने के लिए पूरी गंभीरता से प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि अयोध्या मंदिर में करोड़ों राम भक्तों की आस्था और श्रद्धा अटूट और अडिग बनी रहे। उन्होंने आगे कहा, मौजूदा उलझन और अनिश्चितता खत्म होनी चाहिए। इस नजरिए से हमारी उम्मीद है कि मंदिर प्रबंधन और प्रशासन द्वारा बनाई गई विशेष जांच टीम सभी जरूरी कदम उठाएगी। हमें भरोसा है कि सही वित्तीय प्रबंधन, निष्पक्ष और पारदर्शी सिस्टम के साथ सुचारू कामकाज और पवित्रता व गहरी धार्मिक भावना से भरे माहौल के जरिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट हिंदू समाज की आस्था और भरोसे को और मजबूत करता रहेगा।

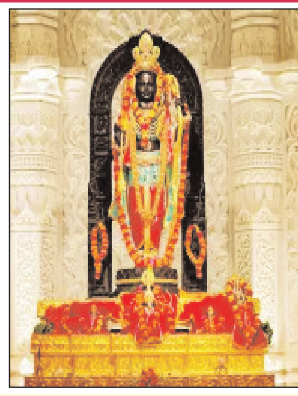

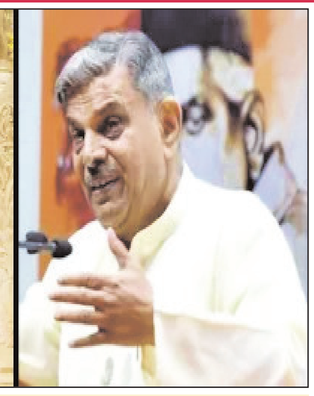

इस मुश्किल घड़ी में जरूरी धैर्य और संयम दिखाएं : दत्तात्रेय होसबोल

आरएसएस के महासचिव ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे हिंदू समाज से यह अपील भी करता है कि वे इस मुश्किल घड़ी में जरूरी धैर्य और संयम दिखाएं और हिंदू धर्म व समाज को बदनाम करने के लिए इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का फायदा उठाने की कोशिश करने वाली हिंदू-विरोधी और राष्ट्र-विरोधी ताकतों की साजिशों को नाकाम करें। उन्होंने आगे कहा, मौजूदा उलझन और अनिश्चितता खत्म होनी चाहिए। इस नजरिए से हमारी उम्मीद है कि मंदिर प्रबंधन और प्रशासन द्वारा बनाई गई विशेष जांच टीम सभी जरूरी कदम उठाएगी। हमें भरोसा है कि सही वित्तीय प्रबंधन, निष्पक्ष और पारदर्शी सिस्टम के साथ सुचारू कामकाज और पवित्रता व गहरी धार्मिक भावना से भरे माहौल के जरिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट हिंदू समाज की आस्था और भरोसे को और मजबूत करता रहेगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः मामला खुलने से बढ़ी दान राशि, अब बैंक में रोजाना जमा किए जा रहे 24 से 26 लाख रुपये

अयोध्या

राम जन्मभूमि मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के बीच एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, चोरी का मामला उजागर होने से पहले प्रतिदिन राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बैंक खातों में औसतन 16 से 18 लाख रुपये दान के रूप में जमा हो रहे थे। वहीं, प्रकरण सामने आने के बाद यही राशि बढ़कर 24 से 26 लाख रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है। आधार पर आशंका जताई जा रही है कि पहले प्रतिदिन करीब 6 से 8 लाख रुपये की दानराशि में अनियमितता हो रही थी। एसआईटी ने इस पहलू को भी अपनी जांच का हिस्सा बनाया है। चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई है।

अब बदरीनाथ धाम में हेरफेर के आरोप, जांच के आदेश

चमोली/देहरादून/एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला सामने आने के बाद बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावे और दान में कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है। इस पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने जांच के आदेश दे दिए हैं। समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा है कि मंदिर समिति ने आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लिया है। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और तथ्यपरक जांच होगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मंदिर समिति ने आरोपों की जांच के लिए समिति गठित करने के आदेश दे दिए हैं। इस मामले में स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है। जांच पूरी होने के बाद अगर कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है। बता दें कि 2025 में बदरीनाथ धाम में 51 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे। समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सोशल मीडिया पर जिस कर्मचारी को उनका निजी सचिव बताया जा रहा है, वह असल में उनका निजी सचिव नहीं है।

दान और मंदिरों की संपत्ति केवल धर्म के लिए ही खर्च की जाएः कांची शंकराचार्य

नई दिल्ली

कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी शंकर विजयेंद्र सरस्वती का मानना है कि पाकिस्तान का निर्माण करने के लिए भले ही धर्म के आधार पर भारत का विभाजन हुआ मगर सनातन की धार्मिक ज्योत को वैसी अहमियत नहीं मिली जैसी अपेक्षा थी। उन्होंने कहा कि निसंदेह समरसता तथा सदभाव हमारी संस्कृति का उदार चरित्र है मगर अपने अस्तित्व को बचाए रखने की जरूरत की अनदेखी भी नहीं करनी चाहिए। वहीं स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने मंदिरों-देवालयों की दान और संपत्ति का उपयोग धार्मिक कार्यों में ही किए जाने की जरूरत बताई। आदि शंकराचार्य की मूल पीठ कांची के पीठाधिपति के रूप में पहली बार राजधानी दिल्ली प्रवास पर आए स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने शुक्रवार को आरकेपुरम स्थित कांची सांस्कृतिक केंद्र में एक विप्र सम्मेलन के संबोधन के दौरान यह बात कही।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 में एक लाख करोड़ डॉलर के निर्यात का लक्ष्यः पीयूष गोयल

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार ने एक लाख करोड़ डॉलर के कुल निर्यात का लक्ष्य रखा है। सरकार ने वस्तुओं के निर्यात को 16-17 फीसदी बढ़ाकर 530 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। सेवा क्षेत्र के निर्यात को भी वित्त वर्ष 2026-27 में 11 फीसदी बढ़ाकर 470 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने व्यापार बोर्ड की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 1 ट्रिलियन डॉलर (एक लाख करोड़ डॉलर) के निर्यात करने का लक्ष्य रखा है। गोयल ने इसके लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पेश किया है, जो सामान और सर्विस दोनों तरह के निर्यात में जबरदस्त बढ़ोतरी पर आधारित है। बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, उद्योग जगत के नेता, निर्यात जगत, व्यापार निकाय और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक फायदेमंद बैठक हुई। इस बैठक में देश के निर्यात की रफ्तार और विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हो पाई। इन सबसे बहुत अच्छे सुझाव मिले।

उन्होंने कहा कि बहुत सारी संभावनाओं के बारे में राज्य सरकारों से भी चर्चा हुई, सबने यह प्रतिज्ञा ली है कि हम चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 1 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात शत-प्रतिशत करेंगे।

कांवड़ यात्रा की तैयारी डीएम ने कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ की बैठक रूट डायवर्जन प्लान देखा

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! बिजनौर में आगामी श्रावण मास की महाशिवरात्रि पर्व और कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन के लिए कानून-व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ यह बैठक संपन्न हुई।
बैठक में जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने हेतु कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कांवड़ मार्गों का भौतिक सत्यापन कर क्षतिग्रस्त हिस्सों की समय पर मरम्मत की जाए। यात्रा अवधि के दौरान यातायात व्यवस्था को निर्बाध रखा जाए।
आवश्यकतानुसार शिवालयों के समीप स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं और ट्रैफिक साइनेज लगाए जाएं। मार्ग पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। मार्ग में पड़ने वाले जर्जर विद्युत पोल और तारों को तत्काल ठीक करने तथा विद्युत पोल की टेपिंग कराने को कहा गया।
कांवड़ मार्ग पर स्थित सभी ढाबों और रेस्टोरेंट के बाहर रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। यात्रा अवधि में नॉन-वेज रेस्टोरेंट बंद रखे जाएंगे। कांवड़ मार्ग और शिविरों के आसपास स्थित शराब की दुकानों को ढककर रखने का भी आदेश दिया गया।
कांवड़ यात्रियों के लिए मार्ग में पर्याप्त संख्या में मेडिकल कैंप स्थापित किए जाएंगे। सभी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कैंपों पर जीवन रक्षक दवाओं के साथ-साथ एंटी-वेनम और एंटी-रेबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला अस्पतालों में आवश्यकतानुसार बेड आरक्षित रखने के भी निर्देश दिए गए।
कांवड़ समितियों से समन्वय स्थापित कर शिविरों की संख्या में वृद्धि की जाएगी। इन शिविरों को यथासंभव मुख्य मार्ग से हटकर स्थापित करने को कहा गया। प्रत्येक शिविर के प्रवेश और निकास द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने, अग्निशमन यंत्र, पेयजल और सामुदायिक शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्थान दशार्ने हेतु साइन बोर्ड भी लगाए जाएंगे।
शिविरों में तैनात किए जाने वाले स्वयंसेवकों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाएगा। रेन बसेरों को सक्रिय रखने और कांवड़ मार्गों पर रात्रि गश्त की प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। एक कंट्रोल रूम स्थापित कर नियमित निगरानी रखने को भी कहा गया। गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग द्वारा चेतावनी साइनेज लगाए जाएंगे और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिस की स्थाई तैनाती की जाएगी। मार्ग में पड़ने वाले सभी धर्म स्थलों केधर्मगुरुओं और पुजारियों से संवाद स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए।
इस मौके पर एसपी अभिषेक झा ने कहा कि रूट व्यवस्था व डायवर्जन प्लान के सम्बन्ध मे सभी सम्बंधित पक्षो से समन्वय स्थापित किया जाये। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित वित्त एवं राजस्व देवेंद्र पाल सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा सहित समस्त उप जिलाधिकारी, बीडीओ व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

कार्य में लापरवाही/शिथिलता पाए जाने पर डीसीपीएम के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि जनपद के सभी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों एवं स्टॉफ की उपस्थिति समय से सुनिश्चित किया जाए। झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।
जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मूरतगंज, कनैली एवं चायल में लाभार्थियों का भुगतान अपेक्षित न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए संबंधित प्रभारी चिकित्साधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारियों से विगत माह जून में शिशु मृत्यु के कारणों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने नए आयुष्मान आरोग्य मन्दिर एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान लापरवाही/शिथिलता पाए जाने पर डीसीपीएम के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आधारभूत सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए कराए जाने वाले कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को कार्यदायी संस्था से समन्वय कर कार्य कराने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को आभा आई.डी. बनाने एवं नियमित टीकाकरण में शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत आयुष्मान कार्ड बनाएं जाने के कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए प्रभारी चिकित्साधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर कैम्प लगाकर लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्य में तेजी से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से चिकित्सकों की उपलब्धता एवं एम्बुलेंस की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज उदयन सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।
जिलाधिकारी ने राज्यकर की समीक्षा के दौरान राजस्व वसूली में लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए उपायुक्त, राज्यकर को कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने एवं और अधिक प्रवर्तन कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन, स्टॉम्प एवं रजिस्ट्रेशन, खनन, विद्युत, वन विभाग, मण्डी, आबकारी एवं नगर निकाय की राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति सुनिश्चित किया जाए।
जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों/तहसीलदारों को आर.सी. वसूली एवं अंश निर्धारण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी उप जिलाधिकारियों /तहसीलदारों को राजस्व वादों के निस्तारण में प्रगति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दर्शन/आईजीआरएस में प्राप्त आमजन की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध किया जाए। उन्होंने चकबंदी अधिकारियों को चकबंदी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए।
बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शालिनी प्रभाकर एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ओम प्रकाश सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

दहेज हत्या के दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। 28 जून को थाना कौशाम्बी पर वादिनी गुड्डी देवी पत्नी बिफाई निषाद निवासी ग्राम महेवा थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी पुत्री की शादी अवधराज पुत्र राजू निवासी ग्राम बड़ा गढ़वा थाना व जनपद कौशाम्बी के साथ हुयी थी, उसके पति व अन्य परिजन द्वारा दहेज को लेकर मारकर फंदे से लटका दिया है ।प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कौशाम्बी पर डीपी एक्ट पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में शुक्रवार को थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 2 अभियुक्तों अवधराज उर्फ रिन्गा निषाद पुत्र राजू निषाद . मीना देवी पत्नी राजू निषाद निवासीगण ग्राम बड़ा गढ़वा मजरा कोसम इनाम थाना व जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

कप्तान ने परेड की ली सलामी, पुलिसकर्मियों की लगवाई दौड़

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण द्वारा पुलिस लाइन कौशाम्बी में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई। तत्पश्चात उन्होंने टोलीवार परेड का निरीक्षण कर उपस्थित पुलिसकर्मियों के टर्नआउट, अनुशासन एवं कार्यकुशलता का अवलोकन किया। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों को दौड़, पीटी एवं टोलीवार ड्रिल कराकर शारीरिक दक्षता एवं अनुशासन को परखा गया।
परेड के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन

स्थित मेस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई की व्यवस्था का जायजा लिया गया। इसके साथ ही गणना कार्यालय, विभिन्न शाखाओं, डीसीआर, शस्त्रागार, डायल-112 कार्यालय, परिवहन शाखा, प्रतिसार निरीक्षक कार्यालय तथा पुलिस बैरकों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परिसर में स्वच्छता, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश प्रदान किए।
इस दौरान क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी/लाइन्स जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय, प्रतिसार निरीक्षक देवपाल एवं परेड के हकदार अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

शादी की जिद पर एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ा

प्रेमिका की शादी तय होने से था नाराज बिजनौर पुलिस ने 3 घंटे बाद उतारा

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर ! बिजनौर कोतवाली शहर क्षेत्र के खेड़की गांव में शुक्रवार को एक युवक शादी की जिद पर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा। युवक की काउंसलिंग की जा रही है। इस घटना को देखने के लिए मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई थी।
यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे 20 वर्षीय साहिब पुत्र रियासत निवासी खेड़की अपने ही गांव के एक

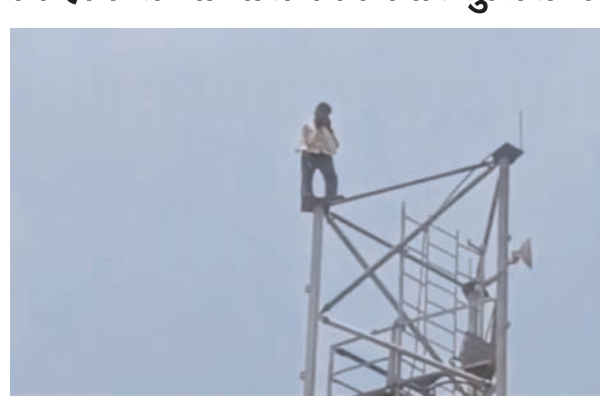

जियो मोबाइल टावर पर चढ़ गया यह खबर तेजी से फैली, जिसके बाद सैकड़ों ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए।
जानकारी के अनुसार, साहिब का पिछले दो साल से गांव की ही एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती के परिजनों ने उसका रिश्ता पास के ही दूसरे गांव में तय कर दिया था। इसी बात से नाराज होकर साहिब ने टावर पर चढ़कर युवती से शादी करने की जिद की।घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली शहर पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली शहर प्रभारी अवनीत मान अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर मौजूद थे। उन्होंने मोबाइल फोन के माध्यम से युवक से संपर्क स्थापित किया और उसे नीचे उतरने के लिए समझाया।
पुलिस की करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर 2:30 बजे युवक को मोबाइल टावर से सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। कोतवाली शहर प्रभारी अवनीत मान ने बताया कि युवक को समझा-बुझाकर नीचे उतारा गया है और उसकी काउंसलिंग कराई जा रही है।

डीएम एसएसपी आगामी श्रावण कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत अंबकेश्वर महादेव मंदिर आहार का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा आगामी श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से थाना आहार क्षेत्र स्थित प्राचीन अंबकेश्वर महादेव मंदिर परिसर एवं कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम जलाभिषेक व्यवस्था के दृष्टिगत विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन कर

संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
महोदय द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं की व्यवस्था हेतु आने जाने वाले पृथक मार्ग बनाये जाए, बैरिकेटिंग, सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरे लगवाने, कंट्रोल रूम, स्वास्थ्य कैंप, साफ सफाई, पेयजल, शौचालय, वाहन पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्था को समय से सुनिश्चित कराया जाए।
इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्राचीन अंबकेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी अनूपशहर श्री शशांक श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

एसपी ने एक पेड़ मां के नाम'' वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत किया पौधारोपण

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा प्रभागीय निदेशक जी. डी. मिश्र के साथ कैंप कार्यालय परिसर में ''एक पेड़ मां के नाम'' वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण कर पौधे का सिंचन किया गया।
इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि तथा जनसामान्य को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। साथ ही अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण हेतु सभी को प्रेरित किया गया, जिससे स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित वातावरण का निर्माण किया जा सके।

यूपी टीईटी परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने को लेकर डीएम एसपी द्वारा परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । शुक्रवार को आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 (UP TET) को सकुशल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों, जिनमें राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय शामिल हैं, का निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सघन चेकिंग, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली तथा परीक्षा कक्षों की निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया गया। साथ ही ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

एसएसपी ने परेड की सलामी ली, विभिन्न शाखाओं एवं निमार्णाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी ली गई एवं परेड का निरीक्षण कर कर्मचारियों का टर्न आउट चैक किया गया एवं शस्त्रों को खोलना, अग्निशामक यंत्र प्रयोग करना, येलो टेप से घटनास्थल को संरक्षित करने आदि कवायद करायी गयी । परेड में सम्मिलित थानों की गाड़ियों एवं पीआरवी/डायल-112 की गाड़ियों का निरीक्षण कर नाइट चैकिंग रजिस्टर चेक किया गया तथा पीआरवी गाड़ी पर मेडिकल किट, घटनास्थल को सुरक्षित करने हेतु येलो टेप, रेस्पांस टाइम को कम करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।इसके उपरान्त एसएसपी द्वारा आदेश कक्ष में संबंधित को दिशा-निर्देश दिये गये तथा पुलिस लाइन परिसर में निमार्णाधीन आरसीसी रोड़ व निमार्णाधीन बैरिकों का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच की गयी तथा भ्रमण कर प्रतिसार निरीक्षक को पुलिस लाइन परिसर में हमेशा स्वच्छता रखने, सरकारी संपत्ति की देखभाल करने सहित सरकारी वाहनों की समय-समय पर मेंटेनेंस/चैकिंग करने आदि आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।
एसएसपी द्वारा कबड्डी व जूडो में विजेता जोनल टीम की सराहना एवं प्रशंसा करते हुए उनको प्रदत्त गोल्ड मेडल पहनाकर एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय एवं प्रतिसार निरीक्षक अजय श्रीवास्तव मौजूद रहे।

पुलिस टीम द्वारा दो वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम थाना मंझनपुर से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त लवकुश पुत्र स्व0 विन्देश्वरी निवासी सैदनपुर थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।
इसी प्रकार थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनियम से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त दिनेश कुमार मौर्य पुत्र शिव दुलारे निवासी ग्राम मीरापुर तकिया थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

नशीला पदार्थ देकर यात्रियों से चोरी करने वाला हिस्ट्रीशीटर पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कल्यानपुर पुलिस ने नशीला पदार्थ देकर यात्रियों से चोरी करने वाले एक वांछित एवं हिस्ट्रीशीटर अंतर्जनपदीय शातिर अभियुक्त को पुलिस मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन, एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस, दो मिस कारतूस, एक जिंदा कारतूस, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा 2,000 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।
पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना कल्यानपुर पुलिस यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, गत 26 मई को कानपुर से बिंदकी जा रहे उमाशंकर पांडेय और उनके भांजे को बोलेरो चालक ने चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया था। दोनों के बेहोश होने के बाद उनके मोबाइल फोन, बैग, पर्स और 40 हजार रुपये चोरी कर लिए गए थे। इस संबंध में थाना कल्यानपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद 5 जून को बस्ती निवासी राजकुमार ने भी शिकायत दर्ज कराई कि झकरकटी से बांदा जाने के दौरान बोलेरो सवार लोगों ने उन्हें विश्वास में लेकर चाय-बिस्कुट खिलाए, जिनमें नशीला पदार्थ मिला था। बेहोशी की हालत में उनका मोबाइल फोन और 25 हजार रुपये चोरी कर उन्हें कल्यानपुर क्षेत्र के सुनसान स्थान पर छोड़ दिया गया। इस मामले में भी थाना कल्यानपुर में मुकदमा दर्ज हुआ था।
शुक्रवार को चौडगरा पुल के पास पुलिस

संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि संदिग्ध बोलेरो तेज रफ्तार से बिंदकी रोड की ओर भाग रही है। पुलिस ने दादनखेड़ा मोड़ के आगे वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक भागने लगा। पीछा करने पर बोलेरो कच्चे और फिसलन भरे रास्ते में अनियंत्रित होकर रुक गई।
पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरा देख वाहन सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में प्रतापगढ़ जिले के हथिगवां थाना क्षेत्र के विसहिया गांव निवासी शाहनवाज उर्फ साहिल पुत्र मंसूर के बाएं पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं उसका साथी फिरोज निवासी करारी, जिला कौशांबी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।
घटनास्थल का निरीक्षण फोरेंसिक टीम और क्षेत्राधिकारी बिंदकी ने किया। मामले में थाना कल्यानपुर में संबंधित धाराओं एवं आयुध अधिनियम के तहत नया मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी के साथ मिलकर मई के अंतिम सप्ताह और जून के प्रारंभ में जहरखुरानी की दो घटनाओं को अंजाम दिया था। बरामद एक मोबाइल फोन और 2,000 रुपये उन्हीं घटनाओं से संबंधित हैं, जबकि दूसरा मोबाइल उसका निजी फोन है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कानपुर बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन के आसपास यात्रियों को कैब उपलब्ध कराने के बहाने अपनी बोलेरो में बैठाता था। इसके बाद उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर या पिलाकर अचेत कर देता और उनके मोबाइल, नकदी व अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था।

डीएम ने राजस्व कार्यों एवं आईजीआरएस की समीक्षा की

अंश निर्धारण से संबंधित लम्बित सभी मामलों को 15 जुलाई तक निस्तारित करने के जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा शुक्रवार को संगम सभागार में अपर जिलाधिकारियों, उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ बैठक कर तहसीलवार राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उनके द्वारा बैठक में लंबित कोर्ट केस, अंश निर्धारण और आईजीआरएस रैंकिंग की विस्तृत समीक्षा की गयी बैठक में जिलाधिकारी ने पांच साल से अधिक पुराने वादो एवं पांच साल से अधिक अन्य राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों को जुलाई माह में अनिवार्य रूप से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है। साथ ही साथ उन्होंने तीन वर्ष से अधिक लम्बित वादों एवं राजस्व से सम्बंधित अन्य प्रकरणों को भी शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए है।

उन्होंने म्यूटेशन से सम्बंधित समयसीमा के उपरांत लम्बित सभी मामलों को इसी सप्ताह में निस्तारित करने के सख्त निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी तहसील में 1 सप्ताह के बाद म्यूटेशन सम्बंधित प्रकरण निर्धारित समय के उपरांत लम्बित पाया जायेगा, तो सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को नियमित रूप से न्यायालय में वादों की सुनवाई करने एवं वादों का शीघ्रता का निस्तारण करने हेतु कहा है। उन्होंने अभिलेख त्रुटि सुधार से सम्बंधित 1 वर्ष से लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करते हुए शून्य किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने धारा-34, धारा-80, धारा-116 से सम्बंधित प्रकरणों को जिनमें सम्बंधित तहसीलों की रैंकिग प्रदेश स्तर पर अच्छी नहीं है, उनमें अभियान चलाकर प्रकरणों का निस्तारण कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने तहसील में नियमित रूप से कोर्ट में बैठने तथा मुकदमों की नियमित रूप से सुनवाई करते हुए निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाये, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जायें। भूमि सम्बन्धित विवादों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष तरीके से गुणवत्ता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाय।

बैठक में जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल से सम्बंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए जनपद के सभी सम्बंधित अधिकारियों को आईजीआरएस प्रकरणों को प्राथमिकता पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी अपर जिलाधिकारियों को संबंधित तहसीलों में कुछ प्रकरणों का उनके द्वारा स्वयं वार्ता कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं` उन्होंने प्रत्येक प्रकरण में राजस्व से सम्बंधित ऐसे सभी प्रकरणों जिनमें खराब प्रगति है कड़ी नाराजगी व्यक्त की और कार्यप्रणाली में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समयसीमा के उपरांत कोई भी प्रकरण लम्बित न रहे।

जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्यो में तेजी लाए जाने तथा अंश निर्धारण से सम्बंधित कार्यों को 15 जुलाई तक समाप्त किए जाने के निर्देश दिया है। उन्होंने कृषक दुर्घटना से संबंधित समय सीमा के पश्चात लंबित मामलों को निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं

उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से कार्य करने तथा शिकायतकर्ता से वार्ता किए जाने तथा उसे संतुष्ट करते हुए संतोषजनक फीडबैक प्राप्त करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि आवेदकों से वार्ता किये जाने के पश्चात ही आख्या अपलोड की जाये एवं शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों से समय सीमा के अन्तर्गत प्रकरण का न्यायोचित, गुणवत्तापूर्वक समाधान करने के लिए कहा है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नजूल संजय पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती विनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति विजय शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन तथा सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार- सुजीत

फूलपुर के पाहसी मुबारकपुर में आयोजित जनजागरूकता गोष्ठी में ग्रामीणों ने रखीं समस्याएं, कई शिकायतों पर मौके पर हुई कार्रवाई, अन्य मामलों के समाधान का दिया आश्वासन

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। भ्रष्टाचार के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और आम लोगों की समस्याओं को सुनने के उद्देश्य से पहसी गांव मुबारकपुर में भ्रष्टाचार निरोधक जांच विभाग की ओर से जनजागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि विभाग के राष्ट्रीय महासचिव सुजीत कुमार सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ लड़ाई तभी सफल होगी, जब आम नागरिक बिना किसी भय के आगे आकर शिकायत दर्ज कराएंगे।

उन्होंने कहा कि यदि किसी सरकारी कार्यालय में रिश्वत मांगी जाती है, सरकारी योजनाओं में अनियमितता होती है, अवैध वसूली या उत्पीड़न किया जाता है, तो इसकी सूचना विभाग को दी जाए। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गोष्ठी के दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। राष्ट्रीय महासचिव ने कुछ शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया, जबकि अन्य मामलों में संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के बिना भ्रष्टाचार मुक्त समाज की कल्पना संभव नहीं है।

ग्रामीणों को बताया कि विभाग संविधान और कानून के दायरे में रहकर जनहित के मुद्दों पर कार्य करता है तथा भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर कार्रवाई का प्रयास करता है। संचालन मनोहर लाल गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रेम प्रकाश विश्वकर्मा, मयंक सेठ, संगम लाल, रामजी मौर्य, अनिकेश कुमार, रमेश चंद्र प्रजापति, हृदय सिंह यादव रहे।

नवाबगंज थाने के पास चेन छिनैती मामले में पुलिस के हाथ दूसरे दिन भी खाली

घायल भुक्तभोगी महिला को 24 घंटे बाद भी नहीं आया होश

सबसे तेज प्रयागराज

कौड़िहार। गंगानगर जोन के नवाबगंज थाना क्षेत्र के नो इंट्री प्वाइंट के पास गुरुवार शाम को जिस महिला से बाइक सवार बदमाशों ने धक्का देकर गिराने के बाद सोने की चेन खींचकर भाग निकले थे, उस मामले में पुलिस के हाथ दूसरे दिन भी खाली हैं। नवाबगंज थाने से बमुश्किल पांच सौ मीटर दूर, प्रयागराज - लखनऊ राजमार्ग के नो इंट्री प्वाइंट के पास हुई इस दुस्साहसिक घटना और चौबीस घंटे बाद भी पुलिस का बेनतीजा रहना स्थानीय पुलिस की नाकामी उजागर कर रही है।

गौरतलब है कि नवाबगंज क्षेत्र की बेरावां ग्राम निवासी किरन गुप्ता गुरुवार की शाम अपने बेटे विकास गुप्ता के साथ बाइक से घर जा रही थी। हाईवे के बगल राजमार्ग स्थित नवाबगंज नो इंट्री के पास पहुंची तभी बाइक सवार दो बदमाश आए और गले में पहनी सोने की चेन खींचकर भाग निकले। भुक्तभोगी महिला के पुत्र विकास गुप्ता ने बताया कि छीना झपटी के बीच उसकी मां बाइक से गिरकर घायल हो गई।उसे इलाज के लिए सीएचसी कौड़िहार में भर्ती कराया गया परंतु दशा गंभीर देखकर डॉक्टरों ने महिला को शहर के अस्पताल भेजवा दिया।वहां भी सुधार न होने पर भुक्तभोगी महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को शाम करीब साढ़े छः बजे भुक्तभोगी महिला के पुत्र विकास गुप्ता ने टेलीफोन पर बताया कि अभी वो बेहोश ही है।

सीसीटीवी कैमरे और नो इंट्री प्वाइंट पर ड्यूटी पर उठाए जा रहे सवाल

गुरुवार की शाम घटनास्थल के आसपास कई सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इसके अलावा नो इंट्री प्वाइंट पर पुलिस की पिकेट ड्यूटी भी लगाई जाती है। दिनदहाड़े राजमार्ग पर हुई छिनैती की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था से लेकर स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर क्षेत्रीय लोगों ने सवाल उठाए हैं।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार, 29 एटीएम कार्ड और 8 हजार रुपये बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर जोन की नवाबगंज पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों से ठगी करने वाले दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से विभिन्न बैंकों के 29 एटीएम कार्ड तथा ठगी से प्राप्त 8 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया।

पुलिस आयुक्त एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत डीसीपी गंगानगर, अपर डीसीपी गंगानगर तथा एसीपी सोरांव के नेतृत्व में नवाबगंज पुलिस टीम ने 2 जुलाई को मंसूराबाद स्थित इंडिया एटीएम के पास से आदित्य यादव उर्फ छोटू (22), निवासी रायपुर तियाई, थाना लालगंज अइझरा, जनपद प्रतापगढ़ तथा रवि पटेल (22), निवासी बरगदहा, थाना मानिकपुर कुंडा, जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे एटीएम पर आने वाले भोले-भाले लोगों की मदद करने के बहाने उनका एटीएम कार्ड बदल देते थे। इसके बाद धोखे से पिन नंबर जानकर दूसरे एटीएम से उनके खातों से रुपये निकाल लेते थे और आपस में बांटकर खर्च करते थे। पुलिस ने गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना नवाबगंज में मुकदमा अपराध संख्या 267/2026, धारा 318(4) एवं 317(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त आदित्य यादव उर्फ छोटू के विरुद्ध रायबरेली और प्रतापगढ़ के विभिन्न थानों में चोरी, शस्त्र अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट समेत कई संगीन मामलों के कुल नौ मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में चौकी प्रभारी मंसूराबाद उपनिरीक्षक भीष्म नारायण सिंह, उपनिरीक्षक रोहित गौंड, उपनिरीक्षक इन्द्रजीत यादव, मुख्य आरक्षी भानू शुक्ला तथा आरक्षी अभिषेक चौरसिया शामिल रहे।

लड़की भागने वाला आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। हंडिया थाना प्रभारी अनूप कुमार सरोज के नेतृत्व में उप निरीक्षक राजन पाल मय पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 338/2026 से संबंधित वांछित आरोपी मो0 यूनुस उर्फ सलमान हाशमी पुत्र साबिर अली निवासी महादेवा नंदौर चौराहा थाना बखीरा जनपद संतकबीरनगर को थाना हरिया क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन हंडिया के पास से गिरफ्तार किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त से संबंधित पीड़िता अपहर्ता को सकुशल बरामद करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगारयुक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता - केशव मौर्य

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं ग्राम्य विकास विभाग के मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्च अधिकारियों से ग्रामीण स्वरोजगार कार्यक्रमों की प्रगति, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी संभावनाओं तथा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं एवं महिलाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार जिला, विकास खंड एवं ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण युवा एवं महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें उनकी रुचि एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे वे रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों का बैंकों से प्रभावी समन्वय स्थापित कराया जाए तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उन्हें आवश्यक ऋण उपलब्ध कराने में हरसंभव सहायता प्रदान की जाए। कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल कौशल प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रशिक्षित युवाओं एवं महिलाओं को सफल उद्यमी एवं रोजगारयुक्त नागरिक बनाना होना चाहिए।

श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के "विकसित भारत" के संकल्प को साकार करने के लिए "विकसित उत्तर प्रदेश" का निर्माण आवश्यक है।

डीएम ने शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का किया गया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा के द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा दिनांक 02, 03 एवं 04 जुलाई को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी)-2026 परीक्षा के द्वितीय दिवस पर परीक्षा को निर्धारित प्रक्रियानुसार सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, नकलविहीन व शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत शुक्रवार को सी0ए0वी0 इण्टर कालेज, गवर्नमेंट गर्ल्स इण्टर कालेज, सेवा समिति विद्या मंदिर, रामबाग सहित विभिन्न विद्यालयों में बनाये गये परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश एवं विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता व निर्धारित गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु नियुक्त सेक्टर मजिस्टेज्टों को परीक्षा अवधि के दौरान अपने सेक्टर के परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमणशील रहकर परीक्षा को सकुशलढंग से सम्पन्न कराने एवं परीक्षा की समाप्ति के उपरांत परीक्षा सामग्री को जमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त स्टैटिक मजिस्टेज्टों को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुसार परीक्षा केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें एवं अपेक्षित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बनाये हुए सीसीटीवी

आत्महत्या के लिए उकसाने वाली महिला गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नैनी पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के अभियोग की वांछित एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार की गई महिला ऊषा देवी पत्नी रमेश उर्फ विनोद चौधरी निवासी ग्राम चाई छपरा थाना बैरिया जनपद बलिया हाल-पता पहलवान वीर बाबा के पास कछार, महेवा पश्चिम पट्टी थाना नैनी जनपद प्रयागराज है। पुलिस ने बताया कि 2 जुलाई को राजू चौधरी निवासी ग्राम चाई छपरा थाना बैरिया जनपद बलिया हालपता महेवा पश्चिम पट्टी थाना नैनी जनपद प्रयागराज ने तहरीर दी कि उसके पुत्र के साथ उसकी चाची द्वारा शादी करने का दबाव बनाने से परेशान होकर वादी के पुत्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अभियोग में नैनी पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए ऊषा देवी को नैनी से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

जीआरपी ने गायब मासूम को आधे घंटे में बरामद कर परिजनों को सौंपा

प्रयागराज। आपरेशन मुस्कान के तहत जीआरपी प्रयागराज ने कार्यवाही करते हुए तीन वर्षीय बालक को 30 मिनट में सकुशल बरामद कर परिजन के सुपुर्द किया।

रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 4/5 से गुमशुदा तीन वर्षीय बालक को सीसीटीवी फुटेज की मदद से रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया से सकुशल बरामद किया। पुलिस ने बताया कि विशाल नायर निवासी कोदौरिया थाना मऊ जिला इन्दौर म०प्र० ने शुक्रवार को बजे थाना जीआरपी प्रयागराज आकर बताया कि उसका पुत्र हार्दिक नायर रेलवे स्टेशन प्रयागराज जं0 प्लेटफार्म नं0 4/5 से कहीं गुम हो गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बालक को बरामद किया गया।

जीआरपी के अभय कुमार मौर्य सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राजकीय रेलवे पुलिस मुख्यालय लखनऊ में तैनात निरीक्षक (गोपनीय) अभय कुमार मौर्य को उनकी उत्कृष्ट व सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में पुलिस महानिदेशक (रेलवे) प्रकाश डी0 द्वारा अभय कुमार मौर्य को यह पदक प्रदान किया गया। इस अवसर पर बधाई दी।

एसपी ने कस्बा मंझनपुर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण द्वारा जनपद में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से कस्बा मंझनपुर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त (फ्लैग मार्च) किया गया।

पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कस्बे के प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान आमजन, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने, अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु आमजन से अपील की गई।

चोरी के बिजली के तार, बाइक व नगदी समेत अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र की पुलिस टीम ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक बोरी में चोरी के कटे हुए बिजली के तार के टुकड़े, चोरी की ज्वेलरी की बिक्री से शेष 21, 290 रुपए नगद तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त के ऊपर कई थानों में कई मुकदमे पहले से भी दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, रेमण्ड तिराहे के पास से अभियुक्त मोनू कुमार निवासी नेवादा समोगर थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। बिजली के तार के टुकड़ों की बरामदगी के संबंध में थाना में धारा 317(4)/317(5) बीएनएस पंजीकृत किया गया।

पुलिस की माने तो पूछताछ पर अभियुक्त ने बताया कि साथी के साथ इसी मोटरसाइकिल से रेकी करते है तथा मौका पाकर रात में घरों से चोरी कर लेते हैं। हम दोनों ने मिलकर यह बिजली के तार अलग-अलग निमार्णाधीन घरों से काटकर चोरी किये थे। इन तारों को जलाने पर कापर मिलता है जिसे कबाड़ी के यहां बेंच दिया जाता है। बरामद रुपए के बारे में पूछने पर बताया कि दोनों ने मिलकर रेलवे लाइन के किनारे बंद पड़े एक घर से ज्वेलरी व रुपए चोरी किया था वह घर याद नही है। वहां से मिले रुपए को आपस में बांट लिया था, वो खर्च हो गये है तथा ज्वेलरी को राह चलते हुए व्यक्तियों को अपनी मजबूरी का बहाना बनाकर बेच दिया था, जिससे मिले रुपए हमने आपस में बांट लिया था।

भाकियू प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह की मुश्किलें बढ़ीं, 8 एफआईआर दर्ज, अवैध प्लाटिंग के आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की शिकायत पर उनके खिलाफ एयरपोर्ट थाने में आठ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। सभी मुकदमे बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध प्लाटिंग और निर्माण कराने के आरोप में दर्ज किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, पीडीए के अवर अभियंताओं और संबंधित क्षेत्रों के लेखपालों की ओर से दी गई अलग-अलग तहरीरों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। आरोप है कि अनुज सिंह ने विभिन्न स्थानों पर विकास प्राधिकरण की अनुमति के बिना प्लाटिंग और निर्माण कार्य कराया, जिससे प्राधिकरण अधिनियम और अन्य नियमों का उल्लंघन हुआ।

एयरपोर्ट थाने में दर्ज आठों मुकदमों की विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। एक साथ आठ मुकदमे दर्ज होने से यह मामला राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। उधर, अनुज सिंह ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार और बेबुनियाद बताया है।

उनका कहना है कि उन्होंने कभी प्लाटिंग का कारोबार नहीं किया और किसानों के आंदोलन को दबाने के उद्देश्य से उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि वह इससे डरने वाले नहीं हैं और किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा उनका जल सत्याग्रह आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

2027 के विजय का लक्ष्य लेकर चलें कार्यकर्ता: अशोक चौरसिया

नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष का किया गया भव्य स्वागत अभिनंदन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । भाजपा काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया के प्रथम नगर आगमन पर भाजपा प्रयागराज महानगर, गंगापार एवं यमुनापार के संयुक्त तत्वाधान में भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। शुक्रवार को सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित स्वागत अभिनंदन समारोह में नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष को माला व अंग वस्त्र पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ देकर कार्यकताओं उनका स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जहां बूथ स्तर का कार्यकर्ता क्षेत्र प्रदेश व केंद्र के शीर्ष संगठनात्मक पद तक पहुंच सकता है।

उदाहरण के तौर पर उन्होंने स्वयं सन 1989 में बतौर बूथ अध्यक्ष संगठन का काम शुरू किया था और आज संगठन ने उन्हें काशी क्षेत्र के अध्यक्ष के तौर पर नियुक्त किया है। कार्यकर्ता 2027 के विजय का लक्ष्य लेकर कार्यकर्ता मेहनत करते रहें।

काशी क्षेत्र में 2027 में कमल खिलाना है इसका हम संकल्प लें।

संगठन व सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना है।

6 जुलाई को सीएम के आगमन को लेकर तैयारियों पर चर्चा

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने 6 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर भी कार्यकताओं जनप्रतिनिधियों से चर्चा की और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री 6 जुलाई को यमुना बैंक रोड बोट क्लब स्थित प्रेरणा स्थल पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व अशोक सिंघल की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, क्षेत्रीय मंत्री संतोष पटेल, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, दीपक पटेल, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, उत्तर मौर्य, अमरनाथ यादव, हौसला पाठक, शशि वार्ष्णेय, राजेंद्र मिश्र, विनोद प्रजापति, विजय श्रीवास्तव, सचिन जायसवाल, मनोज निषाद, मीडिया प्रभारी विवेक मिश्र, जिला मीडिया प्रभारी भाजपा गंगापार उमेश तिवारी, पवन श्रीवास्तव, दिलीप चतुर्वेदी आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

अयोध्या राम मंदिर प्रकरण: कार्यप्रणाली और पारदर्शिता का प्रश्न

अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करता है। यही कारण है कि जब चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोप सामने आए तो यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहा। इसने धार्मिक संस्थानों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर व्यापक बहस शुरू कर दी। पिछले कुछ दिनों में विशेष जांच दल की कार्रवाई ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार जांच अब केवल कथित चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी देखा जा रहा है कि चढ़ावे की गिनती और जमा करने की जो व्यवस्था तय थी, उसका पालन वास्तव में हुआ या नहीं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि चढ़ावे की गिनती के लिए मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच एक निर्धारित व्यवस्था बनाई गई थी। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नकदी की गिनती पूरी पारदर्शिता के साथ हो और किसी एक व्यक्ति या समूह के भरोसे पूरी प्रक्रिया न रहे। बताया जा रहा है कि गिनती के समय दोनों पक्षों के अधिकृत प्रतिनिधियों की संयुक्त उपस्थिति आवश्यक थी। यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो यह केवल व्यक्तिगत लापरवाही का मामला नहीं रहेगा, बल्कि पूरी निगरानी व्यवस्था की कमजोरी भी सामने आएगी।

जांच एजेंसियां केवल कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार बैंक अभिलेख, लेनदेन का विवरण, अभिलेखों का मिलान, संबंधित कर्मचारियों की भूमिका और अन्य वित्तीय पहलुओं की भी गहन पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यवस्था में कई स्तरों पर निगरानी हो और उसके बावजूद कथित अनियमितता सामने आए तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि नियंत्रण तंत्र किस स्तर पर कमजोर पड़ा। यही कारण है कि जांच का दायरा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है।

रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि चढ़ावे की गिनती से जुड़े कई संचालन संबंधी नियमों की समीक्षा की जा रही है। इनमें निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों का नियमित परिवर्तन, निर्धारित पहचान व्यवस्था, अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव और पूरी प्रक्रिया की जवाबदेही जैसे पहलू शामिल हैं। किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में नकदी और अन्य मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त होती हैं। इसलिए ऐसी संस्थाओं में केवल ईमानदारी पर्याप्त नहीं होती बल्कि मजबूत संस्थागत व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक होती है।

विशेष जांच दल की कार्रवाई ने यह संकेत दिया है कि मामला केवल अनुमान के आधार पर नहीं चल रहा है। उपलब्ध समाचारों के अनुसार कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और 8 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जांच एजेंसियां संभावित भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि किसी भी व्यक्ति की अंतिम जिम्मेदारी या दोष का निर्धारण केवल न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही माना जाएगा।

यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि धार्मिक संस्थानों में आने वाला धन सामान्य सरकारी राजस्व नहीं होता। यह सीधे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा होता है। कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से चढ़ावा देता है और उसे विश्वास होता है कि उसका योगदान उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह अर्पित किया गया है। यदि इस विश्वास पर प्रश्नचिह्न लगता है तो उसका प्रभाव केवल संबंधित संस्था तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास पर भी पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच में वित्तीय लेनदेन के साथ-साथ संबंधित व्यक्तियों की संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की भी पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति की घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच असामान्य अंतर पाया जाता है तो जांच एजेंसियां उस पहलू को भी जांच के दायरे में ले सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध अंतिम निष्कर्ष घोषित नहीं हुआ है और जांच जारी है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रश्न भी खड़ा किया है। किसी भी संस्था में नियम केवल कागज पर लिखे रहने के लिए नहीं बनाए जाते। उनका उद्देश्य जोखिम को कम करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना होता है। यदि संयुक्त उपस्थिति, अभिलेख सत्यापन, निगरानी और नियमित निरीक्षण जैसे नियमों का पालन नहीं किया गया तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जांच एजेंसियां केवल यह नहीं देखतीं कि कथित चोरी किसने की, बल्कि यह भी देखती हैं कि उसे रोकने वाली व्यवस्था क्यों असफल हुई।

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से

समस्या का समाधान संभव नहीं है। वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है।

दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

आधुनिकता का यह कैसा आक्रोश?

अशोक भाटिया

आज हमारा समाज एक अत्यंत संवेदनशील, जटिल और अभूर्व सामाजिक-मनोवैज्ञानिक बदलाव के चौराहे पर खड़ा है। पिछले कुछ समय में देश के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं द्वारा किए जाने वाले हिंसक अपराधों, घरेलू विवादों में आक्रामकता और गंभीर वारदातों में उनकी संलिप्तता की घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह बदलाव उस पारंपरिक भारतीय समाज के लिए एक बड़ा वैचारिक झटका है, जिसने सदियों से महिलाओं को सहज रूप से सहनशीलता, करुणा, त्याग और धैर्य के सर्वोच्च प्रतीक के रूप में देखा और परिभाषित किया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ममता और संवेदनशीलता की प्रतिमूर्ति मानी जाने वाली आधी आबादी का एक हिस्सा आज इतनी हिंसक और आक्रामक प्रवृत्तियों की ओर क्यों बढ़ रहा है? क्या यह आधुनिकता का कोई विकृत रूप है, या फिर हमारे बीमार होते सामाजिक ढांचे की कोई गहरी गूंज?

इस आक्रामकता के मूल कारणों की पड़ताल करें, तो इसका सबसे पहला और मुख्य सिरा आधुनिक जीवनशैली के अत्यधिक मानसिक तनाव और ह्यवर्क-लाइफह्ल के असंतुलन से जुड़ता है। आज की महिला एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रही है। वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए कार्यस्थल पर पुरुषों के साथ कठिन प्रतिस्पर्धा कर रही है और करियर की ऊंचाइयों को छू रही है। लेकिन विडंबना यह है कि बाहर की इस आधुनिकता के बावजूद, घर के भीतर का सामाजिक ढांचा आज भी काफी हद तक पारंपरिक ही है। कामकाजी होने के बाद भी समाज यह उम्मीद करता है कि वह घर के चूल्हे-चौके, बच्चों की परवरिश और बुजुर्गों की देखभाल की जिम्मेदारी भी उतनी ही परफेक्शन के साथ निभाए। हर मोर्चे पर खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने और ह्यसुपरवुमनह्ल बनने का यह निरंतर सामाजिक व पारिवारिक दबाव महिलाओं को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। समय की कमी, भरपूर नींद न आना और लगातार थकान मिलकर एक ऐसा मानसिक फ्रस्ट्रेशन (कुंठा) पैदा करते हैं, जो उचित ह्यएंगर मैनेजमेंटह्ल (क्रोध प्रबंधन) न होने पर अचानक तीव्र गुस्से और हिंसक व्यवहार के रूप में फूट पड़ता है।

हाल ही में पुणे (पूना) के लोहागढ़ किले में मंगेतर केतन अग्रवाल की गहरी खाई में धकेलकर की गई जघन्य हत्या के मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में मंगेतर (जिसकी पहचान मीडिया व सामाजिक विमर्शों में केतन अग्रवाल हत्याकांड के रूप में चर्चित है) ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर, सामाजिक-पारिवारिक दबाव और शादी से पीछे न हट पाने के चलते, ठंडे दिमाग से हत्या की साजिश रची और उसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की।

ठीक इसी तरह, भोपाल के हाई-प्रोफाइल ससुराल में प्रताड़ना के बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत की घटना, और भोपाल में ही दो सगी बहनों द्वारा अन्य लड़कियों को ब्लैकमेलिंग व शोषण के आपराधिक जाल में धकेलने का मामला भी सामने आया है। महाराष्ट्र (बीड): नशे की लत से परेशान होकर नसरीन नामक महिला ने अपने पति शरीफ पठान की तार से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने इसे स्वाभाविक मौत बताने के लिए हार्ट अटैक की झूठी कहानी गढ़ी, जिसे पुलिस ने पूछताछ में उजागर कर दिया। तेलंगाना (महबूबनगर): एक महिला (कविता) ने अपने 38 वर्षीय पति नागेश की सोते समय चाकू से बेरहमी से हत्या कर दी। चीखें सुनकर दौड़े पड़ोसियों और बेटे की आंखों के सामने हुए इस मर्डर के कारणों की पुलिस जांच कर रही है। मध्य प्रदेश (इंदौर/धार): एक पत्नी (प्रियंका) ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति देवकृष्ण की हत्या की खौफनाक साजिश रची। पहले इसे लूटपाट का रूप दिया गया, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि पत्नी ने प्रेमी के माध्यम से हत्यारों को 1 लाख रुपये की सुपारी दी थी। उत्तर प्रदेश (बागपत): एक महिला ने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर पति को नींद की गोलियां दीं और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इलाज के दौरान पति की मौत के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

ये घटनाएं यह साबित करती हैं कि जब नैतिक व्यवस्था बिखरती है, तो अपराध और आक्रामकता का कोई जेंडर नहीं रह जाता। जहाँ एक तरफ महिलाएं आज भी बर्बर घरेलू हिंसा का शिकार हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ महिलाओं द्वारा विवादों से निकलने या अपनी राह का रोड़ा हटाने के लिए कत्ल और साजिश जैसे जघन्य रास्तों को चुनना यह दिखाता है कि समाज में सहिष्णुता और संवाद की जगह अब खतरनाक आक्रामकता ले रही है।

लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा है फेक न्यूज और डीपफेक

राजेश जैन

एक समय था जब अफवाहें गांव की चौपाल या शहर की गलियों तक सीमित रहती थीं। उनका प्रभाव व्यापक नहीं होता था। लेकिन सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को सूचना का प्रसारक बना दिया है। आज कोई भी बिना किसी सत्यापन के फोटो, वीडियो या संदेश लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। ऐसे में फेक न्यूज अब केवल अफवाह नहीं रही। यह अक्सर सुनियोजित अभियान का हिस्सा होती है। राजनीतिक लाभ, धार्मिक ध्रुवीकरण, आर्थिक फायदा, किसी संस्था की छवि खराब करना या केवल अधिक क्लिक और विज्ञापन हासिल करनाझ्र्इनमें से कोई भी मकसद इसके पीछे हो सकता है। चिंताजनक बात यह है कि लोग अक्सर उसी सूचना पर जल्दी विश्वास करते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच की पुष्टि करती हो। मनोविज्ञान इसे कन्फर्मेशन बायस कहता है। यही वजह है कि झूठ, यदि वह लोगों की पसंद के अनुरूप हो, तो कई बार सच से भी तेज दौड़ता है।

झूठ का सबसे खतरनाक संस्करण है डीपफेक

फेक न्यूज में तो फिर भी शब्दों के जरिए पहुंचा जा सकता था। लेकिन डीपफेक ने तस्वीर ही बदल दी है। अब एआई किसी भी व्यक्ति की आवाज, चेहरे के हावभाव और बोलने की शैली की हूबहू नकल कर सकता है। कुछ मिनट के वीडियो और ऑडियो के आधार पर ऐसा कंटेंट तैयार किया जा सकता है जिसे देखकर विशेषज्ञ भी पहली नजर में धोखा खा जाएं। कल्पना कीजिए- चुनाव से ठीक एक दिन पहले किसी बड़े नेता का वीडियो वायरल होता है जिसमें वह किसी समुदाय के खिलाफ विवादित बयान देता दिखता है। कुछ घंटों बाद पता चलता है कि वीडियो नकली था। लेकिन तब तक लाखों लोग उसे देख चुके होते हैं। वोट पड़ चुके होते हैं। नुकसान हो चुका होता

है। यही डीपफेक की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा खतरा है।

चुनावों पर सबसे बड़ा असर

लोकतंत्र में चुनाव केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं हैं। यह नागरिकों के विवेक का उत्सव हैं। यदि नागरिकों तक पहुंचने वाली जानकारी ही झूठी हो जाए, तो उनका निर्णय भी प्रभावित होगा।

दुनिया के कई देशों में चुनावों के दौरान फर्जी वीडियो, नकली ऑडियो और भ्रामक पोस्ट का इस्तेमाल देखा गया है। कभी नेताओं के बयान बदले गए, कभी विरोधियों को बदनाम करने के लिए नकली दृश्य बनाए गए और कभी मतदाताओं को भ्रमित करने के लिए झूठी सूचनाएं फैलाई गईं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां करोड़ों मतदाता सोशल मीडिया से सूचना प्राप्त करते हैं। ऐसे में यदि डिजिटल प्लेटफॉर्म झूठ का सबसे बड़ा माध्यम बन जाएं तो चुनावी निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। ऐसे में चुनाव आयोग, राजनीतिक दल, मीडिया और तकनीकी कंपनियों, सभी की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

लोकतंत्र आधार है भरोसा

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार विश्वास है। नागरिकों को भरोसा होना चाहिए कि सरकार सही जानकारी दे रही है, चुनाव निष्पक्ष होंगे, मीडिया तथ्य प्रस्तुत करेगा और जो वीडियो वे देख रहे हैं, वह वास्तविक है। यदि यह भरोसा खत्म हो जाए तो लोकतंत्र की संस्थाएं कमजोर होने लगती हैं। डीपफेक का सबसे बड़ा नुकसान यही है कि यह केवल झूठ नहीं फैलाता बल्कि सच पर भी संदेह पैदा कर देता है। भविष्य में ऐसा समय भी आ सकता है जब कोई वास्तविक वीडियो सामने आए और लोग कह दें-ह्यह भी शायद डीपफेक होगा।

मीडिया की नई परीक्षा

मुख्यधारा का मीडिया भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। पहले समाचार संस्थानों के पास खबर की पुष्टि के लिए पर्याप्त समय होता था। अब सोशल मीडिया पर खबर पहले वायरल होती है और बाद में उसकी जांच होती है। यदि मीडिया भी बिना सत्यापन के वायरल सामग्री प्रकाशित करने लगे तो उसकी विश्वसनीयता कमजोर होगी। आज पत्रकारिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सबसे पहले खबर देना नहीं, बल्कि सबसे पहले सही खबर देना है। फैक्ट-चेकिंग अब अतिरिक्त काम नहीं, बल्कि पत्रकारिता का मूल हिस्सा बन चुकी है।

तकनीकी कंपनियों की जिम्मेदारी

सोशल मीडिया कंपनियां लंबे समय तक खुद को केवल प्लेटफॉर्म बताकर जिम्मेदारी से बचती रहीं। लेकिन अब यह तर्क कमजोर पड़ रहा है। यदि एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सी पोस्ट लाखों लोगों तक पहुंचेगी, तो उनकी सामाजिक जिम्मेदारी भी तय होगी। कई कंपनियां एआई आधारित पहचान प्रणाली विकसित कर रही हैं जो डीपफेक वीडियो पकड़ सके। कुछ प्लेटफॉर्म संदिग्ध सामग्री पर चेतावनी भी लगाने लगे हैं।

लेकिन चुनौती यह है कि जितनी तेजी से पहचान करने वाली तकनीक विकसित होती है, उससे कहीं तेज गति से नकली सामग्री बनाने वाली तकनीक भी आगे बढ़ रही है। यह एक अंतहीन तकनीकी दौड़ बन चुकी है।

क्या केवल कानून काफी होगा?

भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन सामग्री को लेकर विभिन्न कानूनी प्रावधान मौजूद हैं।

भविष्य में डीपफेक से निपटने के लिए और स्पष्ट नियम भी बन सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल कानून इस समस्या का समाधान कर देगा? शायद नहीं। दरअसल, हर झूठी पोस्ट पर मुकदमा दर्ज करना संभव नहीं है। हर वायरल वीडियो को अदालत तक ले जाना भी व्यावहारिक नहीं है। कानून जरूरी है, लेकिन उससे पहले जरूरी है डिजिटल जिम्मेदारी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम नियंत्रण

यहीं सबसे कठिन सवाल खड़ा होता है। यदि सरकार फेक न्यूज रोकने के नाम पर अत्यधिक नियंत्रण लागू करे तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यदि बिल्कुल नियंत्रण न हो तो झूठ और नफरत बिना रोक-टोक फैल सकती है। दोनों ही स्थितियां लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक हैं। इसलिए संतुलन आवश्यक है। सरकार का काम आलोचना रोकना नहीं, बल्कि जानबूझकर फैलाए जा रहे झूठ और डिजिटल धोखाधड़ी पर कार्रवाई करना होना चाहिए। दूसरी ओर नागरिकों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का सम्मान भी उतना ही जरूरी है। लोकतंत्र में असहमति अपराध नहीं हो सकती। लेकिन झूठ फैलाना भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं माना जा सकता।

डिजिटल साक्षरता सबसे मजबूत हथियार

आज जितना महत्वपूर्ण पढ़ना-लिखना है, उतना ही महत्वपूर्ण अब डिजिटल जानकारी को परखना भी हो गया है।

यदि हर नागरिक सूचना की जांच करना सीख जाए तो फेक न्यूज की आधी ताकत अपने आप खत्म हो जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल साक्षरता को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। लोगों को यह सिखाया जाना चाहिए– किसी भी वायरल संदेश पर तुरंत विश्वास न करें।

स्रोत की जांच करें।

वीडियो का संदर्भ देखें।

फैक्ट-चेक वेबसाइटों की मदद लें।

भावनात्मक संदेशों को विशेष सावधानी से देखें।

एआई नहीं, उसका दुरुपयोग गलत है यह समझना भी जरूरी है कि समस्या एआई नहीं है। एआई चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, अनुसंधान, भाषा अनुवाद और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में अपूर्व परिवर्तन ला रहा है। समस्या तब पैदा होती है जब वही तकनीक धोखाधड़ी, ब्लैकमेल, चुनावी हेरफेर और सामाजिक तनाव फैलाने के लिए इस्तेमाल होती है।

इसलिए लक्ष्य तकनीक को रोकना नहीं, बल्कि उसके जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करना होना चाहिए।

आगे का रास्ता

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र को चार स्तरों पर एक साथ काम करना होगा। पहला, सख्त लेकिन संतुलित कानून, ताकि जानबूझकर डीपफेक बनाने और फैलाने वालों पर प्रभावी कार्रवाई हो सके।

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं।भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश,आसाम,राजस्थान,मध्यप्रदेश,बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है।

सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फकीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते।

उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है।

अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्लवादा, वफा और विरासतह्व के रूप में याद किया जाता है।

यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं।

अयोध्या की 'मणिरामदास छावनी' के वरिष्ठ संत पंजाबी बाबा ब्रह्मलीन, संत समाज में गहरा शोक

अयोध्या
अध्यात्म और भक्ति की नगरी अयोध्या से एक अत्यंत दुखद और हृदयविदारक समाचार सामने आया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की छत्रछाया वाली सुप्रसिद्ध पीठ 'मणिरामदास की छावनी' के परम श्रद्धेय संत पंजाबी बाबा का निधन हो गया है। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके महाप्रयाण की खबर सुनते ही पूरी अयोध्या नगरी स्तब्ध है और मणिरामदास छावनी परिसर में उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए भक्तों और संतों का तांता लग गया है।

तपस्या और सरलता की प्रतिमूर्ति थे पंजाबी बाबा
मणिरामदास की छावनी के प्रमुख संतों में गिने जाने वाले पंजाबी बाबा अपने अत्यंत सरल, सौम्य और शांत स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भगवान श्री राम की आराधना, सरयू तट पर ध्यान और मणिरामदास छावनी में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में समर्पित कर दिया था।

अथाह सेवा भावः
आश्रम में आने वाले किसी भी संन्यासी या गृहस्थ को वे कभी खाली हाथ नहीं जाने देते थे।

साधना और नियमः
वे प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में उठकर घंटों प्रभु नाम संकीर्तन और शास्त्रों का स्वाध्याय करते थे।

सबके प्रियः
उनके प्रवचनों और वचनों में एक ऐसी कशिश थी कि जो कोई भी एक बार उनसे मिलता, वह सदा के लिए उनका भक्त हो जाता था।

मणिरामदास छावनी और संत समाज में शोक की लहर
मणिरामदास की छावनी अयोध्या की वह ऐतिहासिक पीठ है, जिसका नाता सीधे तौर पर तपस्या और सनातन संस्कृति के बड़े आंदोलनों से रहा है। ऐसे प्रतिष्ठित स्थान के एक स्तंभ संत का चले जाना पूरी धार्मिक नगरी के लिए एक बड़े शून्य का निर्माण करता है।
उनके निधन पर अयोध्या के प्रमुख संतों, महंतों, कथावाचकों और अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। संतों ने कहा कि, "पंजाबी बाबा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत था। उन्होंने जिस निष्काम भाव से संन्यास धर्म का पालन किया, वह विरले ही देखने को मिलता है। उनका साकेतवासी (ब्रह्मलीन) होना सनातन संस्कृति के लिए बहुत बड़ी क्षति है।"

अंतिम दर्शन और समाधि प्रक्रिया
संत परंपरा और वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार, पूज्य पंजाबी बाबा के पार्थिव देह को अंतिम दर्शनों के लिए मणिरामदास की छावनी परिसर में रखा गया है।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री हनुमानगढ़ी में महंत संत राम दास को श्रद्धांजलि देने अयोध्या पहुंचे

अयोध्या।
बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने राम नगरी अयोध्या में हनुमानगढ़ी में महंत राजू दास के गुरु महंत संत राम दास के निधन पर उनके आश्रम पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अयोध्या पहुंचें एयरपोर्ट पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने श्री राम जन्मूभूमि मंदिर के दान प्रकरण पर कहा कि यह पाप नहीं, महापाप है, भगवान इसका दंड देंगे। एसआईटी जांच और देश की कानून व्यवस्था पर पूरा भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा सभी आरोपितों को कानून के तहत दंड मिलेगा।

नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में बांदा की बेटी शार्वी का जलवा, दो स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया देश का मान

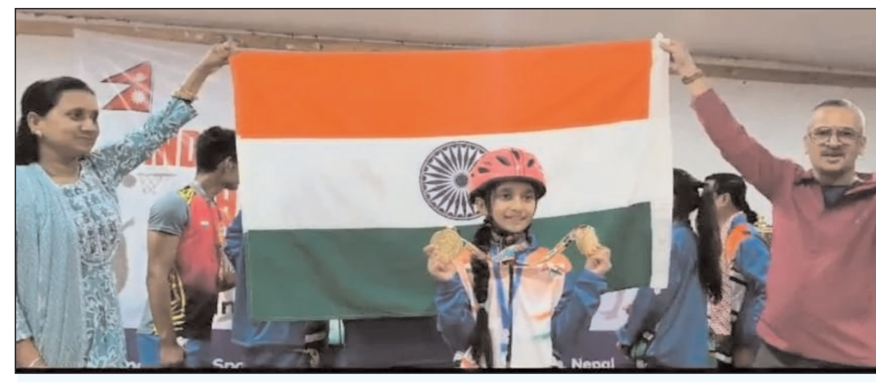

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा की प्रतिभाशाली बेटी शार्वी पांडे ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले समेत पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। तहसील नरैनी क्षेत्र की ग्राम पंचायत तरखरी निवासी विकास कुमार पांडे की पुत्री शार्वी ने नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं।
नेपाल में 28 व 29 जून को आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और दुबई के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग की बालिका रोलर स्केटिंग स्पर्धा में शार्वी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 500 मीटर और 1000 मीटर दोनों रेस में प्रथम स्थान हासिल किया। बेहतरीन गति, संतुलन और आत्मविश्वास के दम पर उन्होंने दोनों मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का परचम लहराया।
शार्वी की जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तिरंगा शान से लहराया गया। उनकी इस उपलब्धि को कड़ी मेहनत, अनुशासन और परिवार के निरंतर सहयोग का परिणाम माना जा रहा है।
बुंदेलखंड की इस होनहार बेटी की सफलता से पूरे बांदा जिले में उत्साह का माहौल है। परिवार, प्रशिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने शार्वी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का विश्वास है कि शार्वी भविष्य में विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का नाम रोशन करेंगी। यह जानकारी शार्वी पांडे के पिता विकास कुमार पांडे ने गुरुवार को दी।

नवीन रजिस्ट्री कार्यालय के निर्माण से अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं आमजन को होगी सुगमता : आनंद मोहन गुप्ता

मुरादाबाद।
सदर तहसील परिसर के सामने नवीन रजिस्ट्री कार्यालय के निर्माण के लिए शासन से आवंटित भूमि पर गुरुवार को विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दि बार एसोसिएशन एण्ड लाइब्रेरी मुरादाबाद के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता ने कहा कि नवीन रजिस्ट्री कार्यालय के निर्माण से अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं आमजन को अधिक सुव्यवस्थित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा रजिस्ट्री संबंधी कार्यों में और अधिक सुगमता आएगी।
दि बार एसोसिएशन एण्ड लाइब्रेरी मुरादाबाद के महासचिव कपिल गुप्ता एडवोकेट ने इसे जनहित एवं न्यायिक व्यवस्था को सुद्ध करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया।
इस दौरान डीआईजी स्टांप संदीप कुमार गौर, उप निबंधक द्वितीय बार एसोसिएशन के महासचिव कपिल गुप्ता, पुष्प यादव, विनय खन्ना, आसिफ, रमा पांडे, राजीव चौधरी, सौरभ चक्रवर्ती, योगेंद्र, तुलाराम आदि मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या पर सख्त हुआ नगर निगम, नगर आयुक्त ने किया स्थलीय निरीक्षण

गोरखपुर।
शहर में जलभराव की समस्या को लेकर नगर निगम ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को नगर आयुक्त ने जोन संख्या 03 के वार्ड संख्या 79 सिविल लाइंस प्रथम क्षेत्र में जलभराव वाले स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया।
निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद, अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार, सहायक नगर आयुक्त/जोनल अधिकारी रवि कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता अशोक भाटी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।
निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त अजय जैन ने गणेश चौक से ऐशप्रा ज्वेलर्स, सिटी मॉल, अलंकार ज्वेलर्स होते हुए एचपी पब्लिक स्कूल, इनकम टैक्स ऑफिस, गोरखपुर क्लब, वीसी बंगला स्टोर से होते हुए अम्बेडकर चौराहा से शास्त्री चौराहे तक पैदल भ्रमण कर जमीनी हकीकत का जायजा लिया।
निरीक्षण में कई स्थानों पर नालों में सिल्ट, कूड़ा और प्लास्टिक भरा हुआ पाया गया, जिससे जल निकासी बाधित हो रही थी। नालों की तल्लीझार सफाई न होने के कारण पानी का बहाव रुक गया था, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही थी।
इस पर नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल प्रभाव से सफाई कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।
उन्होंने जोनल अधिकारी और सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया कि जेसीबी और पोकलेन मशीनों के साथ सफाई कर्मियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई जाए, ताकि सभी नालों की विधिवत तल्लीझार सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु किया जा सके।
नगर आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि जलभराव की समस्या को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन गंभीरता से करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सफाई कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और जहां-जहां समस्या है, वहां तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने मुरादाबाद-मीरानपुर कटरा रेलखंड का किया निरीक्षण

मुरादाबाद।
उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल की मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने गुरुवार को मुरादाबाद से मीरानपुर कटरा स्टेशन तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलखंड पर संरक्षा, परिचालन व्यवस्था, रेल अवसंरचना तथा परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने गुरुवार को बताया कि मीरानपुर कटरा स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक ने अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के निकट निर्माण किए जा रहे गति शक्ति टर्मिनल के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर विशेष बल दिया।
इसके उपरांत मंडल रेल प्रबंधक ने अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में रेलवे के माध्यम से माल यातायात को बढ़ावा देने, लॉजिस्टिक सुविधाओं के विस्तार, उद्योग एवं रेलवे के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा भविष्य में माल परिवहन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर रेल आधारित माल परिवहन को और अधिक प्रोत्साहित करने तथा दोनों पक्षों के बीच समन्वय को सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श किया गया।
निरीक्षण एवं बैठक के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) प्रेम शंकर झा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक आदित्य गुप्ता, वरिष्ठ मंडल अभियंता (तृतीय) करन प्रीत सिंह, वरिष्ठ मंडल संकेत व संचार अभियंता (प्रथम) मनीष कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) विपिन शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर नगर निगम सख्त, व्यापक सफाई अभियान के निर्देश

गोरखपुर
शहर में संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को नगर आयुक्त अजय जैन की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
बैठक में नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि वार्डों में छोटी पोकलेन मशीनों के माध्यम से नियमित सफाई कार्य कराया जाए। साथ ही, कामर्शियल क्षेत्रों में नालों की सफाई रात के समय कराई जाए, ताकि दिन में यातायात और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों। वार्डों की छोटी-छोटी नालियों की सफाई सुपरवाइजर की निगरानी में सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।
उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों और सफाई निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वार्डों में रोस्टर के अनुसार एंटी लार्वा छिड़काव, ब्लीचिंग, मेलाथियान का छिड़काव और फॉगिंग नियमित रूप से कराई जाए। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन चार मलिन बस्तियों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसे और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।
नगर आयुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि खाली पड़े प्लाटों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की समय-समय पर सफाई कराते हुए वहां एंटी लार्वा का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। माइक्रो प्लान बनाकर प्रत्येक क्षेत्र में सफाई कार्य को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए।
इसके अलावा, पुराने टायरों की दुकानों और कबाड़ी की दुकानों पर विशेष रूप से एंटी लार्वा छिड़काव कराने को कहा गया, क्योंकि ऐसे स्थानों पर पानी जमा होने से मच्छरों के पनपने की संभावना अधिक रहती है। हर वार्ड में दो-दो कर्मचारियों की तैनाती कर एंटी लार्वा छिड़काव और डस्टिंग का कार्य नियमित रूप से कराने के निर्देश जोनल सेनेटरी अधिकारियों को दिए गए।
नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संचारी रोग नियंत्रण अभियान को गंभीरता से लेते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

फांसी पर लटका मिला युवती का शव

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मझगवां थाने के गिरवर गांव में गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक युवती का शव फांसी पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।
जानकारी के अनुसार गिरवर गांव की निवासी पूजा (20) पुत्री अशोक कुमार का शव संदिग्ध अवस्था में घर के अंदर फांसी पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने युवती पूजा को फांसी के फंदे पर लटकता हुआ देखा तो उनके होश उड़ गए।

उर्वरक दुकानों पर प्रशासन की छापेमारी

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराने तथा नकली एवं अमानक उर्वरकों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिले भर में कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों ने व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 23 उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया, जबकि विभिन्न प्रकार के 06 उर्वरकों के नमूने जांच के लिए संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे गए।
अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उपनिदेशक कृषि प्रमोद कुमार ने गुरुवार को बताया कि तहसील हमीरपुर में तहसीलदार एवं जिला कृषि अधिकारी की संयुक्त टीम ने तीन उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया और तीन नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान दो प्रतिष्ठानों में अभिलेखों का रखरखाव संतोषजनक नहीं मिलने पर संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।
तहसील सरीला में आठ उर्वरक प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इस दौरान दो प्रतिष्ठान बंद मिले, जिस पर संबंधित संचालकों को भी कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया। वहीं तहसील राठ में छह तथा तहसील मौदहा में छह प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। मौदहा क्षेत्र से तीन उर्वरकों के नमूने भी जांच के लिए लिए गए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिए कि प्रत्येक बिक्री पर किसानों को अनिवार्य रूप से कैश मेमो उपलब्ध कराया जाए।
साथ ही स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर और रेट बोर्ड को अद्यतन रखा जाए तथा शासन की ओर से निर्धारित सभी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
उपनिदेशक कृषि ने बताया कि किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदें और खरीदारी के समय कैश मेमो अवश्य प्राप्त करें।

प्रयागराज पुलिस ने दहेज हत्या का किया खुलासा, हिरासत में बाल अपचारी पति

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले की बारा थाना पुलिस ने दहेज हत्या के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए 17 वर्षीय वांछित बाल अपचारी पति को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और लगातार की गई जांच के आधार पर घटना का पदार्फाश किया।
पुलिस के अनुसार, 13 जून 2026 को घूरपुर क्षेत्र निवासी शिवशंकर पांडेय ने अपनी पुत्री रंजना के लापता होने और ससुराल पक्ष पर उसे प्रताड़ित कर गायब करने का आरोप लगाते हुए बारा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। जांच के दौरान फतेहपुर जिले के खागा क्षेत्र में मिले अज्ञात महिला के शव की पहचान रंजना के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों जिलों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए जांच को आगे बढ़ाया।
तकनीकी विश्लेषण, सीडीआर, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बाल अपचारी पति को चिल्ला गौहानी क्षेत्र से अभिरक्षा में लिया। विवेचना के दौरान मामले में हत्या, साक्ष्य छिपाने और दहेज प्रताड़ना सहित अन्य धाराओं की बढ़ोत्तरी की गई है। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि कमिश्नरेट पुलिस गंभीर अपराधों के खुलासे के लिए वैज्ञानिक जांच, तकनीकी साक्ष्यों और पेशेवर पुलिसिंग को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी विश्लेषण और विभिन्न जिलों के बीच समन्वय स्थापित कर घटना का सफल अनावरण किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध और दहेज उत्पीड़न के मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार राय, महिला उपनिरीक्षक रीतु तिवारी, उपनिरीक्षक दीपक कुमार वर्मा सहित थाना बारा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस ने पकड़ा तीन करोड़ का गांजा, एक तस्कर गिरफ्तार

फिरोजाबाद।
एसओजी व थाना नसीरपुर पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार को उड़ीसा से कन्टेनर में ले जाया जा रहा 03 कुन्टल से अधिक मादक पदार्थ गांजा पकड़ा है। पुलिस ने एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गांजा की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब लगभग 03 करोड़ रुपए है।
अपर पुलिस अधीक्षक देहात अनुज चौधरी ने बताया कि जनपद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देश पर अवैध गांजा की बरामदगी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के क्रम में एसओजी टीम, सर्विलांस टीम व थाना नसीरपुर पुलिस टीम ने सूचना पर अभियुक्त पन्नालाल पुत्र वासुदेव निवासी ग्राम विरामपुर थाना कोतवाली देहात जिला एटा को नगला गुंज आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे करनपुर मार्ग की पुलिया के पास से मय गाडी कन्टेनर पार्सल के साथ गिरफ्तार किया है। अभियुक्त पन्नालाल के कब्जे से 03 कुन्टल,69 किलो 92 ग्राम अवैध गांजा व दो मोबाइल बरामद हुआ है।
एएसपी ने बताया कि पकडे गये अभियुक्त ने पूछताछ में बताया है कि वह गांजे को उडीसा से सस्ते दामों पर लाकर यहाँ पुडिया बनाकर मंहगे दामों पर बेचता हैं।

मुरादाबाद-बरेली रेलखंड में 4 से 31 जुलाई तक लिए जाएंगे 25 ट्रैफिक ब्लॉक, 9 ट्रेनें होंगी

मुरादाबाद
यात्रियों की सुरक्षित, संरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा सुनिश्चित करने तथा रेल पथ के अनुरक्षण एवं संरक्षा को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुरादाबाद-बरेली रेलखंड पर टैम्पिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए 4 जुलाई से 31 जुलाई तक कुल 25 ट्रैफिक ब्लॉक स्वीकृत किए गए हैं। इस अवधि में 9 जुलाई, 18 जुलाई एवं 28 जुलाई को कोई ट्रैफिक ब्लॉक नहीं रहेगा। टैम्पिंग कार्य के दौरान 9 रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन तथा विनियमन किया जाएगा।
उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने गुरुवार को बताया कि रेलगाड़ी संख्या 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस 3,5,7,10,12,14,16,19,21,23 व 29 जुलाई को मुरादाबाद-चंदौसी-बरेली कैंट मार्ग से संचालित किया जाएगा। इन जेसीओ दिनांक मे गाड़ी का रामपुर स्टेशन पर आगमन नहीं होगा एवं बरेली जं के स्थान पर बरेली कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। गाड़ी संख्या 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस का 3 एवं 29 जुलाई को मुरादाबाद-चंदौसी-बरेली कैंट मार्ग से संचालित किया जाएगा। इन जेसीओ दिनांक मे गाड़ी का रामपुर, मिलक, क्लटरबकगंज, स्टेशन पर आगमन नहीं होगा एवं बरेली जं के स्थान पर बरेली कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। गाड़ी संख्या 13042 जम्मूतवी-हावड़ा एक्सप्रेस 6 जुलाई को मुरादाबाद- चंदौसी-बरेली कैंट मार्ग से संचालित किया जाएगा। बरेली कैंट स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।
सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि रेलगाड़ी संख्या 15211 दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस को माह जुलाई 2026 में दिनांक 04, 06, 09, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 26, 28 एवं 30 जुलाई 2026 को मार्ग में 45 मिनट तथा 24 जुलाई 2026 को 90 मिनट नियंत्रित कर संचालित किया जाएगा। गाड़ी संख्या 12204 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस को माह जुलाई 2026 में 4, 8, 11 एवं 15 जुलाई को 30 मिनट नियंत्रित कर संचालित किया जायेगा, गाड़ी संख्या 14603 नरपतगंज-अमृतसर एक्सप्रेस को 24 जुलाई 2026 को 90 मिनट नियंत्रित कर संचालित किया जायेगा, गाड़ी संख्या 55301 मुरादाबाद-लालकुआँ पैसेंजर को 26 जुलाई 2026 को 30 मिनट नियंत्रित कर संचालित किया जायेगा, गाड़ी संख्या 15128 नई दिल्ली-बनारस एक्सप्रेस को 26 जुलाई 2026 को 30 मिनट नियंत्रित कर संचालित किया जायेगा, गाड़ी संख्या 20506 नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस को 26 जुलाई 2026 को 90 मिनट नियंत्रित कर संचालित किया जायेगा।

ईवी की हिस्सेदारी 2030 तक 20 प्रतिशत पहुंचने से एक लाख करोड़ रुपए कम हो सकता है आयात बिल- एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है। अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था। रिपोर्ट में कहा गया, ÷मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं।÷ कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कुछ राज्यों में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 29,151 चार्जिंग स्टेशन हैं। कुल चार्जिंग स्टेशनों में से 35 प्रतिशत सिर्फ दो राज्यों (कर्नाटक और महाराष्ट्र) में हैं। नई ईवी पॉलिसी के तहत, दिल्ली सरकार अगले चार सालों में 32,000 चार्जिंग पॉइंट का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, ÷ईवी की सफलता काफी हद तक चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।÷ भारत में 2025 तक 2.86 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थीं और यह आंकड़ा 2030 तक 4 करोड़ गाड़ियों तक पहुंचने का अनुमान है। इन गाड़ियों में से 20 प्रतिशत ईवी होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी की तारीफ की गई, जिससे तहत पहले तीन सालों में दो-पहिया गाड़ियों के लिए खरीद पर इंसेंटिव (कुल मिलाकर 60,000 रुपए) दिया जाएगा। तीन-पहिया गाड़ियों के लिए, कुल इंसेंटिव 1,20,000 रुपए है। एन1 कमर्शियल ट्रकों को पहले साल में 1 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में ईवी के लिए रोड टैक्स और एक बार की रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट दी गई है।

'यूजरनेम' फीचर को व्हाट्सएप ने बताया वैकल्पिक, कहा-फोन नंबर की तरह ही नहीं होगा पाएगा सर्च

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप ने अपने नए 'यूजरनेम' फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि 'यूजरनेम' फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है। सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में 'यूजरनेम' फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं। साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो। व्हाट्सएप ने आगे कहा कि अगर कोई यूजरनेम इंस्टाग्राम या फेसबुक पर किसी यूजर के द्वारा उपयोग हो रहा है, तो वह उनके लिए रिजर्व होगा। इसके साथ व्हाट्सएप ने कहा ही कि लोग लोकप्रिय या जाने-माने यूजरनेम रिजर्व करने के बारे में जो दावे कर रहे हैं, वह सच नहीं है, सिर्फ असली अकाउंट के मालिक ही मशहूर सार्वजनिक हस्तियों के नाम रिजर्व कर सकते हैं। हमने इस साल के आखिर में यूजरनेम लॉन्च होने से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, क्योंकि हमें लगता है कि लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित होंगे कि वे व्हाट्सएप पर कौन सा यूजरनेम चाहते हैं। हम इसमें जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं और लोगों की राय भी सुन रहे हैं, ताकि जब इसे इस साल के आखिर में लॉन्च किया जाए, तो यह बिल्कुल सही हो।

लगातार दूसरे दिन बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स में 579 अंकों की उछाल आईटी सेक्टर ने किया बेहतर प्रदर्शन

मुंबई।

अमेरिका और ईरान के बीच व्यापार वार्ता के सकारात्मक संकेतों के चलते तेल की कीमतों में गिरावट आने से गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी50, दोनों में 0.70 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत या 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 0.71 प्रतिशत यानी 169.85 अंक बढ़कर 24,175.70 पर बंद हुआ। दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,922.64 से 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77083.14 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 656.28 अंकों यानी 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,578.93 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 24,005.85 से 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,062.20

पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 0.78 प्रतिशत की उछाल के साथ 24194.55 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.48 प्रतिशत और 1.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

तमिलनाडुः बारिश की कमी के कारण वडामाल्ली के किसानों को भारी नुकसान की आशंका

कोयंबटूर।

लंबे समय से बारिश न होने के कारण तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के वडमल्ली किसान अपनी फसल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। थोंडामुथुर ब्लॉक में फूलों वाले पौधों के बड़े-बड़े हिस्से सूखने लगे हैं। इस इलाके के किसानों का कहना है कि गर्मियों में अच्छी बारिश न होने और उसके बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून की कम बारिश की वजह से पानी की भारी कमी हो गई है। इससे ओणम के मुनाफे वाले बाजार के लिए लगाई गई फसलों पर बुरा असर पड़ा है। वडिवेलमपालयम, मुगासिमंगलम, मोलापालयम और कलिमंगलम गांवों में 500 एकड़ से अधिक जमीन पर वडमल्ली (गोम्फ्रेना ग्लोबोसा, जिसे आम तौर पर ग्लोब अमरैंथ कहा जाता है) की खेती की गई है। इस फसल को तैयार होने में लगभग 150 दिन लगते हैं और करीब 120 दिनों के बाद इसमें फूल आने लगते हैं। ओणम के मौसम में केरल में त्योहार की मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। हालांकि, कई कमर्शियल फसलों की तुलना में इसे कम सिंचाई की जरूरत होती है, लेकिन किसानों का कहना है कि नमी की मौजूदा कमी ने पौधों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है।

अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र करण अदाणी

भुवनेश्वर/अहमदाबाद।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने गुरुवार को कहा कि अदाणी ग्रुप के लिए ओडिशा पूर्वी भारत के आर्थिक विकास का केंद्र है। उन्होंने यह बयान अदाणी ग्रुप और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) द्वारा ओडिशा में नए एल्युमीनियम प्लांट के लिए 11.5 अरब डॉलर (करीब 1.08 लाख करोड़ रुपए) के निवश के ऐलान के दौरान दिया। लोगों को संबोधित करते हुए करण अदाणी ने कहा कि अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी, ÷ओडिशा में सिर्फ संसाधन ही नहीं, बल्कि मजबूती भी देखते हैं।÷ उन्होंने कहा कि ओडिशा में भारत के औद्योगिक विकास की अगली लहर का नेतृत्व करने की ताकत है और यह प्रोजेक्ट उस दिशा में एक बड़ा कदम है।÷ करण अदाणी ने कहा कि ओडिशा एक अनोखी जगह है जहां पुरानी विरासत और आधुनिक उम्मीदें एक साथ मिलती हैं। उन्होंने कहा, ÷ओडिशा में खनिज संसाधन भरपूर हैं और यह देश की औद्योगिक रीढ़ को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। इस राज्य में बॉक्साइट का सबसे बड़ा भंडार है, भारत के लौह अयस्क भंडार का 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा यहीं है; और यहां कोयले का भी काफी भंडार है, जो बिजली और औद्योगिक विकास में मदद करता है।÷ करण अदाणी ने कहा, ÷मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के असरदार नेतृत्व में एक सक्रिय सरकार और मजबूत पॉलिसी सपोर्ट के साथ, ओडिशा कच्चे माल के आपूर्तिकार्ता से बदलकर वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है।÷ उन्होंने आगे कहा कि ÷उद्यम, साहस, संस्कृति और अपार संभावनाओं वाली इस महान धरती पर आज आना सौभाग्य की बात है।÷ करण अदाणी ने आगे कहा, ÷इस तरह के प्रोजेक्ट उस विजन की नींव हैं।

मजबूत आर्थिक संकेतकों से भारत की विकास यात्रा को मिला नया बल, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी अर्थव्यवस्था दिखा रही मजबूती

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार द्वारा जारी ताजा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है।

मजबूत जीडीपी वृद्धि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का विस्तार, रिकॉर्ड वाहन बिक्री, बेहतर जीएसटी संग्रह और निर्यात में स्थिरता इस बात का संकेत हैं कि देश में घरेलू मांग और निवेश का माहौल लगातार मजबूत बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। अंतिम तिमाही में विकास दर और तेज हुई तथा चौथी तिमाही में रियल जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 7 प्रतिशत से अधिक है। इस वृद्धि में विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, उपभोग और निवेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देश के विनिर्माण क्षेत्र में भी लगातार मजबूती बनी हुई है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून 2026 में 54.2 पर रहा, जो लगातार 37वें महीने 50 अंकों के स्तर से ऊपर बना हुआ है। यह संकेत देता है कि विनिर्माण गतिविधियों में लगातार विस्तार हो रहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार उत्पादन, नए ऑर्डर, रोजगार और खरीद गतिविधियों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू मांग और कारोबारी विश्वास के मजबूत बने रहने को दर्शाती है। सेवा क्षेत्र में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई 2026 में 59.8 पर पहुंच गया, जो नवंबर 2025 के बाद सबसे तेज विस्तार को दर्शाता है। औद्योगिक उत्पादन में भी सुधार जारी है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) अप्रैल के 4.9 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का उच्चतम स्तर है।

इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 5.5 प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति की 9.9 प्रतिशत वृद्धि का अहम योगदान रहा। वहीं, मोटर वाहन और इलेक्ट्रिकल उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) के उत्पादन में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में तेजी और औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है। केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) अभियान भी नए वित्त वर्ष में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान पूंजीगत व्यय 2.51 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.21 लाख करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ दो महीनों में करीब 29,650 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजीगत निवेश किया गया। सरकार का यह निवेश मुख्य रूप से सड़क, रेलवे, दूरसंचार, रक्षा और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में किया जा रहा है, जो सार्वजनिक निवेश रणनीति का प्रमुख हिस्सा बना हुआ है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कर संग्रह भी मजबूत बना हुआ है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान सकल कर राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का राजस्व आधार स्थिर बना हुआ है। जून 2026 में सकल जीएसटी संग्रह 13.9 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.95 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष जून में यह 1.71 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, 17 जून तक चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिसमें कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट दोनों श्रेणियों से कर संग्रह में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

एफएसएसएआई ने एनर्जी ड्रिंक के दावे को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेवरेज ब्रांड्स को एनर्जी ड्रिंकशब्द के इस्तेमाल और प्रोडक्ट लेबल पर कथित तौर पर गुमराह करने वाले दावों को लेकर रेड बुल, पेप्सिको इंडिया, कैम्पा सहित कई ब्रांड्स को नोटिस जारी किए हैं। एफएसएसएआई का कहना है कि खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत ऐसे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पोस्ट में खाद्य नियामक ने कहा कि उसने गलत ब्रांडिंग और लेबलिंग के नियमों के उल्लंघन को लेकर कई ब्रांड्स जैसे रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, हेल एनर्जी (हेल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड), कैम्पा एनर्जी ड्रिंक, मॉन्स्टर एनर्जी और पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के एड्रेनालिन रश और स्टिंग को नोटिस भेजे थे। एफएसएसएआई के अनुसार, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और इसके तहत बने नियमों और रेगुलेशन में एनर्जी ड्रिंक्स या ऐसे ही दूसरे प्रोडक्ट्स के लिए कोई स्टैंडर्ड तय नहीं किया गया है। नियामक ने स्पष्ट किया कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (फूड प्रोडक्ट्स स्टैंडर्ड्स एंड फूड एडिटिव्स) रेगुलेशन, 2011 के तहत फूड कैटेगरी सिस्टम का इस्तेमाल प्रोडक्ट का नाम रखने या

लेबलिंग के मकसद से नहीं किया जाना चाहिए। एफएसएसएआई ने आगे कहा कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत खाद्य उत्पादों के लिए ऐसे दावे करने को मंजूरी नहीं दी गई है जिनसे कार्यात्मक या चिकित्सीय फायदे का पता चले, जैसे कि एनर्जी लेवल बढ़ाना, फोकस बेहतर करना, शरीर और दिमाग को ताजगी देना, दिमाग को स्टिम्युलेट करना, शरीर को एनर्जी देना, आम कमजोरी में मदद करना आदि। नियामक ने यह भी आरोप लगाया कि इन ब्रांड्स ने अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग और लेबलिंग में एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और ऐसे दावे किए जो मौजूदा नियमों के तहत मान्य नहीं हैं।

भारतीय शेयर बाजार कच्चे तेल में गिरावट और आईटी शेयर में खरीदारी से उछला; सेंसेक्स 77,000 के पार

मुंबई ।

कच्चे तेल में गिरावट के बीच भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान में हुई। सुबह 9÷15 पर सेंसेक्स 217 अंक या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,139 और निफ्टी 74 अंक या 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,074 पर था। शुरुआती कारोबार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयर कर रहे थे। इस कारण सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी कमोडिटीज हरे निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मीडिया लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 187 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,196 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 86 अंक की मजबूती के साथ 19,018 पर था।

भारत-जापान के बीच रक्षा क्षेत्र की पहली सह-विकास परियोजना पर हुआ समझौता, एआई और सेमीकंडक्टर सहयोग को भी मिलेगी नई रफ्तार- पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र में पहली सह-विकास परियोजना पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

हैदराबाद हाउस में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन (इंडिया-जापान एनुअल समिट) के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान ने भारत की विकास यात्रा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने जापानी प्रधानमंत्री को अपनी छोटी बहन बताते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जापान की प्रिसीजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक विकास को नई गति और नई शक्ति देगा। रक्षा क्षेत्र में भी आज भारत और जापान के बीच पहली संयुक्त विकास परियोजना पर समझौता हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची का स्वागत करते हुए कहा कि यह उनका भारत का पहला आधिकारिक दौरा है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। वह दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं तथा जापान के नारा प्रांत से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक प्रमुख केंद्र है।

उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में पारस्परिक विश्वास सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है और भारत-जापान संबंध इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत दोनों देशों की साझा प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि भारत और जापान एशिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों देशों ने कई नई पहल शुरू की हैं, जो पूरे क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि की मजबूत नींव रखेंगी।

टाटा स्टील 40 एमटीपीए क्षमता के लक्ष्य की ओर अग्रसर अगले विस्तार चरण की तैयारी शुरू एन. चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा स्टील ने अपनी दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता को 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में अगला विस्तार चरण शुरू करने की तैयारी कर दी है। कंपनी के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कंपनी की 119वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। चंद्रशेखरन ने कहा कि कलिंगनगर संयंत्र के दूसरे चरण (फेज द्वद्व) के चालू होने के बाद टाटा स्टील की कुल इस्पात (स्टील) उत्पादन क्षमता बढ़कर 26.1 एमटीपीए हो गई है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के 40 एमटीपीए उत्पादन क्षमता के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि इस लक्ष्य के आगे की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने नए संयंत्रों के लिए संभावित स्थानों और भूमि अधिग्रहण के विकल्पों का भी मूल्यांकन शुरू कर दिया है। यूरोप में कंपनी के कारोबार को लेकर चंद्रशेखरन ने कहा कि वहां पुनर्गठन की प्रक्रिया सकारात्मक परिणाम दे रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नीदरलैंड में परिचालन का माहौल पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है, क्योंकि वहां पर्यावरण संबंधी नियम अब यूरोपीय संघ (ईयू) के मानकों से भी अधिक कड़े हो चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷कंपनी डच सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार बातचीत कर रही है, ताकि ऐसा दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके जो पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी व्यवहारिक और टिकाऊ हो।÷ चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा स्टील अपने डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम के तहत अब तक 860 से अधिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मॉडल अपने विभिन्न परिचालनों में लागू कर चुकी है, जिनका उद्देश्य उत्पादन क्षमता बढ़ाना, परिचालन दक्षता में सुधार करना और लागत को कम करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी के डिजिटल प्लेटफॉर्म आशियाना और डिगईसीए ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मिलकर 9,360 करोड़ रुपए का सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) दर्ज किया।

सोने में सपाट कारोबार, चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी

मुंबई ।

सोने और चांदी में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। एक तरफ सोना करीब सपाट बना हुआ है, दूसरी तरफ चांदी में आधा प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,44,430 रुपए के मुकाबले 548 रुपए या 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,882 रुपए पर खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में ही इसमें खरीदारी देखने के मिली।

सुबह 9÷48 पर यह 244 रुपए या 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,44,206 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,882 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,44,448 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

सोने की अपेक्षा चांदी में तेजी देखी जा रही है। चांदी का 5 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,30,384 रुपए के मुकाबले 812 रुपए या 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,31,196 रुपए पर खुला।

फिलहाल यह 1,253 रुपए या 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,31,637 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,30,973 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,32,339 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सोना 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 60.59 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी के सीमित दायरे में कारोबार करने की वजह फेड चेयर केविन वॉर्श की स्पीच को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि महंगाई पहले के मुकाबले कम हुई है, लेकिन अभी भी अधिक है। वहीं, आने वाली फेड बैठक में ब्याज दरों की दिशा को लेकर कोई संकेत नहीं दिया, जिससे निवेशक सर्तक बने हुए हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में, भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धात्मक लाभः पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और दोनों देश ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक लाभ मिल सके।

एनडीटीवी इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि वॉशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई बड़ी बाधा नजर नहीं आती।उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के साथ किसी तरह की कठिनाई नहीं दिख रही है। रियायतों और अन्य अधिकांश पहलुओं पर लगभग सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि भारत ने लगातार यह मांग की है कि उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर

बाजार पहुंच मिले और अमेरिकी प्रशासन ने इस दृष्टिकोण को समझा है।अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद की स्थिति पर गोयल ने कहा कि अमेरिका अब एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है।

अमेरिका विश्वकप जीता तो चांद पर फुटबॉल खेलकर इसे यादगार बनाएंगे: नासा प्रमुख

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रमुख जारेड आइजैकमैन ने अमेरिकी फुटबॉल टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि अगर टीम फीफा विश्व कप जीतती है, तो इस ऐतिहासिक जीत को चांद पर फुटबॉल भेजकर और भी यादगार बनाया जाएगा। यह घोषणा नासा की चंद्रमा पर मानव बेस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें आइजैकमैन ने खिलाड़ियों से कहाया, टीम यूएसए, अब अपना काम पूरा करके दिखाइए!

गौरतब है कि नासा लंबे समय से चंद्रमा पर स्थायी मानवीय उपस्थिति स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, आइजैकमैन का यह अनोखा प्रस्ताव अंतरिक्ष अन्वेषण और खेल को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने 1971 के अपोलो-14 मिशन का जिक्र किया, जब अंतरिक्ष यात्री एलन शेपर्ड ने चंद्रमा की सतह पर गोल्फ खेला था। अब, नासा उस उपलब्धि से एक कदम आगे बढ़ना चाहता है। आइजैकमैन ने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एलन शेपर्ड के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना है। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका वर्ल्ड कप जीतता है, तो हम फुटबॉल को चांद तक पहुंचाएंगे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के मौके पर एक आधिकारिक फुटबॉल पहले ही अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजी जा चुकी है, और अब अगला लक्ष्य उसे चांद की सतह पर पहुंचाना है।

एलन शेपर्ड का गोल्फ शॉट अंतरिक्ष इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक है। वे चांद पर कदम रखने वाले पांचवें इंसान और अमेरिकी अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर के एक दिग्गज अंतरिक्ष यात्री थे। अपने मिशन के अंत में, शेपर्ड ने चतुराई से छुपाकर लाए गए एक छोटे गोल्फ क्लब और दो गोल्फ बॉल से चांद पर दो शॉट लगाए। चंद्रमा के कम गुरुत्वाकर्षण के कारण, गेंदें पृथ्वी की तुलना में कहीं अधिक दूर तक गईं, जिसने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। आइजैकमैन का यह नया चैलेंज इसी तरह के एक और ऐतिहासिक पल को रचने का प्रयास है, लेकिन इस बार दांव पर एक वैश्विक खेल प्रतियोगिता की जीत है।

श्रीकांत रिटायर हुए, अकर्षी और तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

मार्खम (कनाडा) (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे।

पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियंशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 6-21, 26-24, 13-21 से मुकाबला गंवा बैठीं।

पुरुष एकल में सनीत दयानंद और शंकर सुब्रमण्यन भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सके। सनीत को जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो ने 21-7, 21-11 से हराया, जबकि शंकर को दक्षिण कोरिया के यू ते-बिन ने 19-21, 21-15, 21-15 से मात दी। पुरुष युगल में भारत की एकमात्र जोड़ी अच्युतादित्य राव दोड्डावरापु और अर्जुन रेड्डी पोचाना भी शुरुआती दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी और को टीम से बाहर करके नहीं : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20आई से पहले भारत के टॉप ऑर्डर को लेकर हो रही चर्चा पर बात की। उन्होंने साफ किया कि भले ही युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की मांग बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वैभव को जगह देने के लिए संजू सैमसन को टीम से बाहर किया जाना चाहिए। अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि टीम में सैमसन की जगह को लेकर लगातार अटकलें लगाना गैर-जरूरी है और इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए।

पुजारा ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को संजू सैमसन के साथ बने रहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस करना चाहिए। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खुद को साबित किया है और उनके पास जो टैलेंट है, उसे देखते हुए उन्हें प्लेइंग XI में होना चाहिए। संजू सैमसन को टीम से बाहर करने को लेकर ज्यादा शोर नहीं होना चाहिए। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्हें लंबे समय तक खेलने का मौका मिलना चाहिए। संजू को बस नैचुरली बैटिंग करनी चाहिए और ज्यादा सोचना नहीं चाहिए।'

पुजारा ने माना कि सूर्यवंशी को मौका मिलना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को शामिल करने के लिए भारत के पहले से तय टॉप ऑर्डर को नहीं बिगाड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वैभव को खेलना है तो उन्हें खेलना चाहिए, लेकिन किसी को टीम से बाहर करके नहीं, बल्कि किसी को आराम देकर। अगर आप उन्हें मौका देना चाहते हैं, तो यह ठीक है। लेकिन आपको भारत के टॉप तीन खिलाड़ियों में से किसी को भी बाहर नहीं करना चाहिए, चाहे वह संजू हों, अभिषेक हों या ईशान किशन। इसके बावजूद वैभव को मौका मिलना चाहिए और उन्हें मौका जरूर मिलेगा।'

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच बदले जायें : इडुल्जी

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई की प्रशासक समिति (सीओए) की सदस्य डायना इडुल्जी ने कहा है कि अब भविष्य के मुकाबले को देखते हुए कप्तान और कोच में बदलाव की जरुरत है। इडुल्जी के अनुसार अब कप्तान हरमनप्रीत कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार से आगे बढ़ने का समय आ गया है। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ये बात कही साथ ही कहा कि अब टीम के प्रदर्शन में स्थिरता आ गयी है। इसलिए लिए टीम को नये विचार और योजनाओं वाले कप्तान और कोच चाहिये।

इडुल्जी ने साथ ही कहा, हरमनप्रीत हालांकि मेरी पसंदीदा खिलाड़ी हैं और मैंने हमेशा उनका समर्थन किया है पर मेरा मानना है कि हमें कम से कम टी20 प्रारूप में किसी और को कप्तानी देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत को एक खिलाड़ी के रूप में खेलते रहने दिया जाए, लेकिन कप्तानी के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को चुना जाए जिसके पास बेहतर रणनीतिक विचार हों, खासकर गेंदबाजी बदलाव और कप्तानी के अन्य पहलुओं को लेकर। इडुल्जी को लगता है कि हरमनप्रीत की कप्तानी में अब एक ठहराव आ गया है। चयन समिति के फैसलों पर असहमति जताते हुए उन्होंने कहा कि यह कड़े फैसले लेने का सही समय था, भले ही यह विश्व कप हारने के तुरंत बाद की प्रतिक्रिया लगे। इडुल्जी ने हरमनप्रीत के सेफ गेम खेलने की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि अगर आप सुरक्षित खेलकर भी हार रहे हैं, तो बेहतर है कि आक्रामक होकर खेलें।

वहीं मुख्य कोच अमोल मजूमदार पर भी इडुल्जी ने सवाल उठाये। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह अब उससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे जो उन्होंने पहले ही किया है। हमें अब एक ऐसे कोच की जरुरत है जो टीम का हौसला बढ़ा सके और टीम को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने के लिए थोड़ा सख्त हो। इंग्लैंड में टीम के कुछ चयन निर्णयों पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हमने यास्तिका भाटिया को क्यों खिलाया? वह बल्लेबाजी करने नहीं आईं, न ही वह गेंदबाज हैं। वह दूसरी विकेटकीपर हैं।

साथ ही कहा कि एकदिवसीय डे और टी20 के लिए अलग-अलग टीमों की जरूरत है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और क्रांति गौड़ जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लगातार मौका न देने पर भी नाराजगी जताई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की सलाहकार इडुल्जी ने कहा कि खेल के सभी प्रारूपों में एक ही टीम से नहीं खेला जा सकता, क्योंकि इससे खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर पड़ता है, जो पहले से ही कम है।

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही : शास्त्री

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुंए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है। शास्त्री ने वैभव को भारतीय टीम का एक्स फैक्टर करार देते हुए उनकी सबसे बड़ी ताकत उनके निडर अंदाज को बताया। उन्होंने कहा, उसके पास युवा जोश है, कोई दबाव नहीं है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। वह शुरुआती कुछ ओवरों में ही मैच का रुख बदल सकता है और मिडिल ऑर्डर के लिए मजबूत मंच तैयार कर सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में भी उन्हें अवसर नहीं मिला अब देखना है कि उन्हें 4 जुलाई को होने वाले दूसरे टी20 में अवसर मिलता है या नहीं। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं; इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में वह सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए और पिछले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके बल्ले से केवल 6 रन निकले हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि दूसरे टी20 में सैमसन की जगह पर वैभव को उतारना चाहिये।

श्रेयस ने इंग्लैंड में भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड बनाया

डरहम। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में अर्धशतक लगाते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। श्रेयस ने इसी के साथ ही तीन पूर्व कप्तानों महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया। श्रेयस ने इस मैच में 47 गेंदों पर 68 रन बनाकर अपना नौवां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया। कप्तान के तौर पर यह उनका पहला अर्धशतक था। इस ऐतिहासिक पारी के साथ ही, अय्यर अब इंग्लैंड की धरती पर बतौर भारतीय कप्तान सबसे बड़ा टी20 स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली के उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने साल 2018 में कार्डिफ में 47 रन बनाकर बनाया था। वहीं रोहित शर्मा 31 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं और महान कप्तान धोनी 30 रनों (नाबाद) के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इंग्लैंड में कप्तान द्वारा सर्वोच्च टी20 स्कोर का रिकॉर्ड अभी भी ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 90 रन है।

टी20 क्रिकेट बना रहेगा, अश्विन ने वनडे के भविष्य पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि फ्रेंचाइजी आधारित यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) मौजूदा क्रिकेट परिदृश्य में एक जरूरी पहल है क्योंकि टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहद मजबूत है, जबकि वह वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। अश्विन ईटीपीएल में डबलिन गार्जियंस टीम की कप्तानी करेंगे। भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का मानना है कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए यह लीग खेल के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अश्विन ने कहा, 'कुछ वर्षों में ओलंपिक होने हैं और क्रिकेट अगर वास्तव में वैश्विक खेल बनना चाहता है तो इस तरह की लीगों की टीमें इसमें अहम योगदान देंगी।' उन्होंने कहा कि टी20 प्रारूप क्रिकेट को दुनिया के अधिक देशों तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा ध्यान टी20 क्रिकेट पर रहेगा और इसे बेहतर बनाने पर होगा। यदि क्रिकेट को वैश्विक खेल और सफल ओलंपिक खेल बनाना है तो छोटा प्रारूप सबसे अधिक व्यावहारिक है।' उन्होंने कहा, 'इसी वजह से टी20 क्रिकेट का लगातार विस्तार होता जाएगा। इससे खिलाड़ियों का दायरा भी बढ़ेगा, जो सालभर आयोजित होने वाली विभिन्न लीगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। टी20 क्रिकेट यहां लंबे समय तक रहने वाला है। मैं वनडे क्रिकेट के बारे में मैं इतना निश्चित नहीं हूं।'

विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे सिनर: सबसे अधिक मैच जीतने वाले इटली के खिलाड़ी बने

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मौजूदा चैम्पियन इटली के जैनिक सिनर जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। सिनर ने पुरुष एकल के दूसरे दौर में पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को सीधे सेटों में 7-6(4), 7-6(2), 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर एक बार फिर अपने खिताब को बनाये के लिए आगे बढ़ते दिख रहे हैं। सिनर ने बोर्गेस के खिलाफ मैच में काफी अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही अपनी 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत के साथ एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। वह इतने मैच जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। अब तीसरे दौर में उनका सामना अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी से होगा।

पुर्तगाली खिलाड़ी के खिलाफ सिनर के मिए मुकाबला आसान नहीं रहा। पहले दो सेटों में बोर्गेस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। वहीं सिनर ने धैर्य से खेलते हुए अपने सटीक शॉट्स के साथ अंक हासिल किये। वहीं दूसरे सेट में तो बोर्गेस 5-4 की बढ़त के साथ सर्विस कर रहे थे पर दबाव के क्षणों में सिनर ने जीत के साथ वापसी की। उन्होंने टाई-ब्रेक को 7-2 से जीतकर मैच पर पकड़ बना ली। वहीं तीसरे सेट में भी बोर्गेस ने आक्रामक अंदाज बनाये रखा। उन्होंने सही समय पर निर्णायक ब्रेक हासिल कर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ सिनर ने अपने करियर की 95वीं ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ जीत दर्ज की है। इस शानदार उपलब्धि ने उन्हें निकोला पिएट्रांगेली के 94 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए, ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे अधिक मैच जीतने वाले इतालवी खिलाड़ी बनने का गौरव प्रदान किया है। , सिनर अब ओपन एरा में लगातार दो बार विंबलडन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले विशिष्ठ खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने का लक्ष्य रख रहे हैं।

सितसिपास को हराकर विंबलडन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

लंदन। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में जीत के साथ ही तीसरे दौर में प्रवेश किया है। जोकोविच ने पुरुष एकल मुकाबले में यूनान के दिग्गज खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास को एकतरफा मुकाबले में आसानी से 6-3, 6-4, 6-2 से हरा दिया। ये मुकाबला करीब डेढ़ घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। इस जीत के साथ ही विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच अब ग्रास-कोर्ट पर अपने सातवें खिताब को जीतने प्रतिबद्ध नजर आये। जोकोविच ने इस जीत के साथ रिकॉर्ड 20वीं बार विंबलडन के तीसरे दौर में प्रवेश किया है। मैच के दौरान वह अच्छी लय मे दिखे। उन्होंने कुल 33 विनर्स लगाए और मात्र सात अनफोर्स्ड एरर्स किए, जिससे उनकी क्षमत का अंदाजा होता है। अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने विशेष रूप से एक गेम में तीन विनर्स लगाकर बढ़त हासिल की। वह शुरुआत से ही मैच में हावी रहे। अब तीसरे दौर में जोकोविच का मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेच से होगा, जिन्होंने हाल ही में मार्टिन डाम को तीन सेटों में हराया था। यह जोकोविच और रिंडरकनेच के करियर का पहला आमना-सामना होगा, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक होना तय है। मैच के बाद, अपनी शानदार जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए जोकोविच ने कहा, जब आप इस तरह खेलते हैं तो कोर्ट पर बहुत खुशी, संतुष्टि और आनंद महसूस होता है।

अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

डरहम। इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण यहां रद्द हुए पहले टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 59 रन की आतिशी पारी के दौरान एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की। अभिषेक इस मैच में दो छक्के लगाते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। अभिषेक ने यह रिकार्ड केवल 785 गेंदों पर ही बना दिया। उन्होंने इस दौरान वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज एविन लुईस के रिकॉर्ड को तोड़ा। लुइस ने 789 गेंदों में अपने 100 छक्के लगाये थे। अभिषेक टी20 में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर आ गये हैं। दूसरे नंबर पर एविन लुईस (789 गेंद), फिन एलन (871 गेंद) के साथ ही तीसरे, टिम डेविड (931 गेंद) चौथे और कॉलिन मुनरो (963 गेंद) के साथ ही पांचवे नंबर रहे हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के सबसे तेजी से 100 टी20 छक्के लगाने के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने 1007 गेंदों का सामना किया था। अभिषेक ने यह कारनामा सूर्यकुमार से 222 गेंद पहले ही कर दिखाया। अब वे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक छक्के लगाने वाले भारत के केवल पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा (205 छक्के), सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पांड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) शामिल हैं, जिनके साथ अभिषेक ने 100 छक्के पूरे कर अपना नाम दर्ज कराया है। अभिषेक नाम अब 1450 से ज्यादा रन हैं और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर है, जो 1000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे अधिक है। मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 189 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। हालांकि, इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई और उसके नहीं रुकने पर मैच रद्द घोषित कर दिया गया।

सेंटनर की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उतरेगी न्यूजीलैंड, मैथ्यू फिशर नया चेहरा

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह 12 जुलाई से होने वाली वाली पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर को कप्तान बनाया है। 16 सदस्यीया टीम में पहली बार तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को शामिल किया गया है। फिशर ने अब तक केवल एक टेस्ट और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेला है। वह पहली बार किसी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किये गये हैं। ऐसे में उनका डेब्यू तय नजर आता है। कप्तान सेंटनर के अलावा, कई अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में वापसी कर रहे हैं। इसमें डेरिल मिचेल, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रेसवेल और जैकब डफी शामिल हैं। डफी हाल ही में पितृत्व अवकाश के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर थे। वहीं कुछ खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखा गया है हैं। बांग्लादेश दौरे शामिल रहे अशोक, जोश क्लार्कसन, डेन क्लीवर, विल ओरूर्क और ब्लेयर टिकनर को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है जबकि तेज गेंदबाज मैट हेनरी और काइल जैमीसन को इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर टखने की सर्जरी के कारण इस सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इंग्लैंड से सीधे स्वदेश लौटेंगे और इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट पहले से तय प्रतिबद्धताओं के चलते टीम के साथ नहीं जाएंगे। एकदिवसीय सीरीज के पहले तीन मुकाबले 12, 14 और 17 जुलाई को प्रोविडेंस, गुयाना में खेले जाएंगे। इसके बाद आखिरी दो मैच 20 और 22 जुलाई को केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड की वनडे टीम इस प्रकार है- कप्तान- मिशेल सेंटनर विकेटकीपर- टॉम लैथम, मिशेल हे बल्लेबाज- मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, निक केली, विल यंग, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, क्रिस्टियन क्लार्क ऑलराउंडर- माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ गेंदबाज- मैथ्यू फिशर, जैकब डफी, बेन सियर्स, जेडन लेनोक्स!

'इंग्लैंड में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ', टीम से बाहर चल रहे भारतीय ऑलराउंडर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने इंग्लैंड दौरे 2025 को लेकर बड़ा खुलासा किया है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे शार्दुल ने दावा किया कि पांच टेस्ट मैचों की उस सीरीज में उनका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें कम ओवर ही नहीं दिए गए, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई, जिससे वह टीम के लिए ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

'गेंदबाजी में सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया'

शार्दुल ने कहा कि बल्लेबाजी में लीड्स टेस्ट में उन्होंने गलती जरूर की थी, लेकिन मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली थी।

उन्होंने कहा, 'जब मैंने इंग्लैंड में खेला तो गेंदबाजी में मेरा सही इस्तेमाल नहीं हुआ। बल्लेबाजी में लीड्स में मेरी गलती थी, लेकिन मैनचेस्टर में मैंने शानदार बल्लेबाजी की। उस समय बादल छाए हुए थे, गेंद स्विंग कर रही थी और पिच मुश्किल थी। अगर मैं उस समय नहीं टिकता तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।'

'गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई'

34 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि उन्हें गेंदबाजी के लिए सही फेज में नहीं लगाया गया। 'मुझे सिर्फ कम गेंदबाजी नहीं मिली, बल्कि गलत समय पर गेंदबाजी कराई गई। मुझे लगता है कि रणनीति में कहीं न कहीं गलती हुई थी।' हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मैच के दौरान कप्तान या कोच से इस बारे में बात करना आसान नहीं होता। 'मैदान पर पूरा फोकस मैच पर होता है। जब भी गेंद मिलती है, खिलाड़ी सिर्फ यही सोचता है कि टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है।'

लीड्स टेस्ट का भी किया जिक्र

शार्दुल ने लीड्स टेस्ट को याद करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार दो गेंदों पर बेन डकेट और हैरी ब्रूक का विकेट लेकर भारत की वापसी कराई थी, लेकिन इसके बाद उन्हें गेंदबाजी से हटा दिया गया। उन्होंने कहा, 'अगर मुझे लंबा स्पेल मिलता तो शायद एक-दो और विकेट मिलते और मैच का नतीजा भी बदल सकता था।'

'मुझे और मौके मिलने चाहिए थे'

शार्दुल का मानना है कि 2024-25 घरेलू सीजन में अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में ज्यादा मौके मिलने चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'उस सीजन में जिस तरह का प्रदर्शन मैंने किया, उसके बाद मुझे कुछ और टेस्ट खेलने चाहिए थे। मुझे लगता है कि मैं टीम के लिए अंतर पैदा कर सकता था।'

वापसी का लक्ष्य बरकरार

शार्दुल ने साफ कहा कि भारतीय टेस्ट टीम में वापसी करना ही उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है।

'भारतीय टीम में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मेरी कोशिश 100 प्रतिशत है कि मैं दोबारा टेस्ट टीम में वापसी करूं। जब भी मुझे मौका मिला है, मैंने कई मैचों में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।'

इंग्लैंड 2025 टेस्ट सीरीज में शार्दुल का प्रदर्शन

मैच- 2, गेंदबाजी- 27 ओवर, विकेट- 2, रन- 46; मैनचेस्टर टेस्ट- 88 गेंदों में 41 रन.

घरेलू उपायों से करें कॉन्र्स का इलाज

कॉर्नस को दूर करने के लिए घरेलू उपचार प्रभावी होते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कॉन्र्स के लिए घरेलू उपचार

कठोर त्वचा समय के साथ कॉर्न का रूप ले लेती है। कॉन्र्स मोटी त्वचा के धब्बे की तरह उभरता है और दबाव के माध्यम से बढ़ता है। कॉन्र्स अक्सर तेज दर्द का कारण बन सकता है। कॉन्र्स का जल्द से जल्द इलाज नहीं किए जाने पर इससे छुटकारा पाना थोड़ा कठिन हो सकता है। चिकित्सकीय रूप में कॉन्र्स केवल एक छोटी सी शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है। साथ ही कॉन्र्स के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर क्रीम और औषधीय बैंड उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अधिकतर बनावटी होती हैं। इसलिए कॉन्र्स को दूर करने के लिए आप इन सिद्ध और प्रभावी घरेलू उपचार को अपना सकते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में अपने पैरों को भिगोना सुखदायक होता है और यह अस्थायी रूप से त्वचा के पीएच को बदल कर पसीने से तर पैर को सूखने में मदद करता है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और कैमोमाइल चाय को मिलाकर उसमें पैर भिगोना,कॉन्र्स को नर्म करने की चिकित्सा के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि चाय से पैर में दाग हो सकते हैं, लेकिन इसे आसानी से साबुन और पानी से हटाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन

सबसे पहले हार्ड त्वचा को नर्म करने के लिए अपने पैरों को गीला करें। फिर हल्के दबाव का उपयोग कर, गीले प्यूमिक स्टोन को कॉर्न के आगे पीछे रगड़ें। मृत त्वचा को धोने के लिए हर कुछ मिनट के लिए रुकें, और कॉर्न्स को थोड़ा नर्म होने तक दोहराएं।

सफेद सिरका

सिरका सॉस सहित कई व्यंजन की तैयारी में प्रयोग किया जाती है। साथ ही यह पैर पर कॉन्र्स को दूर करने का एक शानदार और परखा हुआ उपाय है। सफेद सिरका आसानी से खरीदा जा सकता है। एक साफ औषधीय कॉटन बॉल लेकर उसे सफेद सिरका में डुबोकर इसे कॉर्न पर लगाएं। कॉन्र्स पर कॉटन को सुरक्षित रखने के लिए डक्ट टेप का उपयोग करें। तीन से चार घंटे तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद डक्ट टेप और कॉटन निकाल लें।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री तेल में मौजूद एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण इसे कॉन्र्स के इलाज के लिए बेहतर बनाते है। एक साफ कॉटन बॉल लेकर, उसपर आवश्यक तेल की पांच बूंदों डालकर कॉन्र्स पर रगडें। फिर कॉन्र्स पर कॉटन को लगा रहने दें। रात भर लगा रहने के बाद सुबह इसे पानी से धो लें।

पपीता

पैर से कॉन्र्स को दूर करने के लिए एक और बहुत ही आसान और कारगर उपाय है। पपीते में मौजूद कई एंजाइम कठिन और मृत त्वचा को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता किसी भी दर्द या बेचैनी को कम करने और यहां तक कि कॉन्र्स को सूखने और तेजी से गिरने में मदद करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, कच्चे पपीता का उपयोग करें। कच्चे पपीते के रस में कॉटन को डूबोकर उसे कॉन्र्स पर लगाएं और इसपर पट्टी के साथ सुरक्षित करें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह धीरे से त्वचा को प्यूमिक स्टोन से एक्सोफोलिएट करें।

लहसुन

लहसुन प्रकृति से एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह एंटी-बैक्टीरियल और फंगल संक्र मण से लड़ने में उपयोगी होती है। लहसुन के साथ कॉन्र्स के इलाज के लिए लहसुन की तीन कली को अच्छे से भूनकर कुचलकर पाउडर बना लें। फिर लहसुन के साथ लौंग पाउडर को मिलाकर इसे कॉन्र्स पर लगाएं। इसे पट्टी से कवर करके पूरी रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को खोलकर गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। इस उपाय कॉन्र्स के गायब होने तक करें।

तारपीन का तेल

तारपीन का तेल एक मजबूत एंटीसेप्टिक है, जो कॉन्र्स के इलाज में मदद करता है। तेल त्वचा में जल्दी प्रवेश कर जाता है जिससे उपचार तेजी से किया जा सकता है। एक पतले कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित क्षेत्र में दो मिनट के लिए मसाज करें। कॉन्र्स वाले हिस्से को अच्छे सुखाकर उसपर थोड़ा सा तारपीन का तेल लगाएं। फिर इस पर पट्टी बॉधकर रात भर के लिए छोड़ दें। रात को सोने से पहले इस उपाय को नियमित रूप से करें।

नींबू का रस

यह इलाज धीमी गति से काम करता है, लेकिन कॉन्र्स के लिए किसी भी अन्य घरेलू उपचार की तरह प्रभावी है। ताजा नींबू का एक चम्मच रस लेकर उसमें लौंग के दो टुकड़े मिलाएं। 15 मिनट के लिए नींबू के रस में लौंग को छोड़ दें। फिर लौंग को हटाकर, नींबू के रस को कॉन्र्स पर अच्छी तरह से रगड़ें। कुछ देर सुखने के बाद पानी से इसे साफ कर लें।

हल्दी

कॉन्र्स को दूर करने के लिए हल्दी भी बहुत अच्छा उपाय है। एंटी-इफ्लेमेंटरी प्रकृति के कारण, हल्दी परेशानी और दर्द को कम करने और उपचार को गति प्रदान करती है। एक चम्मच शहद में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कॉन्र्स पर लगाकर इसे सुखने के लिए छोड़ दें। कॉन्र्स के निकलने तक इस उपाय को कम से कम एक सप्ताह में दिन में दो या तीन बार दोहराये।

मुलेठी

अदभुत चिकित्सा और औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में कॉन्र्स के इलाज के लिए मुलेठी की सिफारिश की जाती है। कॉन्र्स के उपचार के लिए एक चम्मच मुलेठी में पर्याप्त मात्रा में सरसों का तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सोने से पहले प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। इसपर पट्टी बांधकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को हटाकर गुनगुने पानी से उस क्षेत्र को धो लें। ऐसा तब तक करें जब तक कॉन्र्स नर्म और आकार में कम न हो जाये।

रेसिपी

हेल्दी कर्ड राइस

सामग्री

■ राइस -एक कटोरी ■ दही एक कटोरी ■ उड़द दाल-एक छोटा चम्मच ■ चने की दाल-एक छोटा चम्मच ■ मूंगफली -आधी छोटी कटोरी ■ दो हरी मिर्च ■ एक सूखी लाल मिर्च ■ एक सफेद प्याज ■ चुटकीभर अदरक ■ करी पत्ते 5-6 ■ आधा छोटा चम्मच राई ■ चुटकीभर मेथी दाना ■ चुटकीभर हींग ■ तेल जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले चावल को पानी में डालकर पका लें। इसके एक पैन में तेल डालें और राई, मेथी दाना, उड़द दाल, चने की दाल और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद सफेद प्याज, अदरक, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर भूनें। इसी तेल में मूंगफली भी डालकर भून लें और इनमें नमक मिलाकर अलग रख लें। इसके बाद हींग डालें और सभी को अच्छे से मिक्स कर लें। अब साधारण पके हुए चावल में दही मिलाएं और दही के बाद भुनी मूंगफली डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ऊपर से तैयार तड़का डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार हैं आपके कर्ड राइस ।

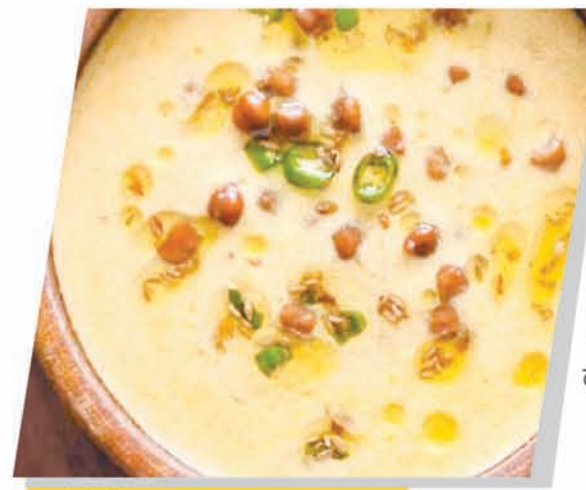

काले चने की कढ़ी

सामग्री

■ भिगोए और उबले हुए काले चने ■ दही ■ बेसन ■ एक छोटा चम्मच हल्दी ■ एक बड़ा चम्मच गरम मसाला ■ दो तेजपत्ता ■ दो सूखी लाल मिर्च ■ चूटकीभर हींग ■ आधा चम्मच मेथी दाना ■ आधा छोटा चम्मच जीरा ■ दो हरी मिर्च ■ आधा कप प्याज ■ आधा कप टमाटर ■ एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ दो बड़ा चम्मच तेल ■ नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू …)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में …

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह संपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3936

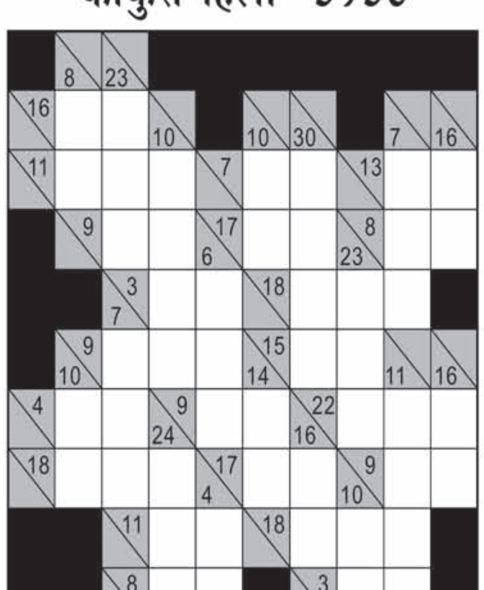

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

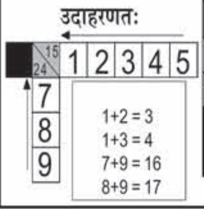

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3935 का हल

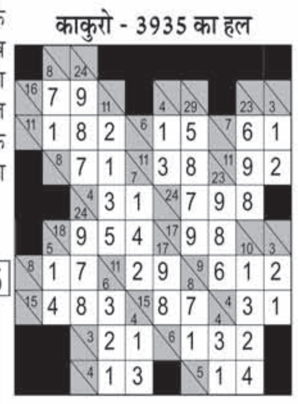

हंसी के फूव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3936

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3935

सूडोकु -3936

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3935 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3936

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली - 3935 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी